शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 297 | गुवाहाटी | मंगलवार, 28 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आध्यात्मिक सशक्तीकरण ही वास्तविक सशक्तीकरण : राष्ट्रपति पेज 2
चक्रवात रेमल का दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले में प्रभाव पेज 3
माफिया मिट्टी में मिले तो यूपी में आने लगा लाखों करोड़ का निवेश : योगी आदित्यनाथ पेज 5
टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में खिलाड़ियों की कमी, कप्तान... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कभी भी यह मत सोचो की तुम्हारे लिए, तुम्हारी आत्मा के लिए कुछ भी नामुमकिन है। यह सोच ही सबसे ज्यादा दुखदायी है। अगर कोई पाप हैं.., तो वो सिर्फ और सिर्फ अपने आपको या दूसरों को कमजोर मानना हैं।
- स्वामी विवेकानंद

बंगाल में चक्रवात रेमल ने मचाया कोहराम

छह की मौत, दो लाख लोगों ने ली राहत शिविरों में शरण

कोलकाता। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात *रेमल* से राज्य में जान-माल को काफी नुकसान पहुंचा है। चक्रवात की चपेट में आकर अब तक छह लोगों की मौत की खबर है, हालांकि सरकारी तौर पर चार की मौत की बात कही गई है। दर्जनों घायल हुए हैं। दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप, बकखाली, फ्रेजरगंज, सागरद्वीप और सुंदरवन इलाकों में हजारों कच्चे घर ढह गए हैं। दो लाख लोग राहत शिविरों में हैं। राज्य सरकार की ओर से विभिन्न जिलों में 1,400 से भी अधिक राहत शिविर खोले गए हैं। कुछ जगहों पर नदी तटबंध टूटने से खेतों में पानी घुस गया है, जिससे फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। कई इलाकों में बिजली के खंभे गिर गए हैं, जिससे वहां बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। मालूम हो कि चक्रवात रविवार रात करीब 8.30 बजे बंगाल और बांग्लादेश के तटीय इलाकों से टकराया था। उसके प्रभाव से सोमवार को कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर व दक्षिण 24 परगना, पूर्व व पश्चिम बर्द्धमान, मुर्शिदाबाद, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम, नदिया, पूर्व व पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में भारी बारिश हुई, जिसका सामान्य जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा है। कोलकाता समेत विभिन्न जगहों पर अधिकांश दुकान-बाजार बंद रहे। फेरी सेवा भी बंद कर दी गई। बसें भी बहुत कम चलीं। चक्रवात के गुजरने के बाद सोमवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर विमानों का परिचालन दोबारा शुरू किया गया, हालांकि तेज हवाओं के कारण विमानों के उड़ान भरने व रनवे पर उतरने में काफी परेशानी हुई। लैंडिंग करने में विफल रहने पर कुछ विमानों को गया, गुवाहाटी, भुवनेश्वर व वाराणसी की ओर मोड़ दिया गया। विमान सेवाओं को रविवार दोपहर 12 बजे बंद किया गया था। ट्रेन सेवाएं भी बहाल की गईं, हालांकि बारिश के कारण उनका मूवमेंट धीमा रहा। कुछ जगहों पर पटरियों पर पानी भर जाने के कारण उन रूटों की ट्रेनों को रद कर दिया गया अथवा गंतव्य स्टेशनों तक नहीं चलाया गया। कोलकाता में भारी बारिश के कारण पार्क स्ट्रीट मेट्रो स्टेशन के अंदर पानी घुस गया, जिससे वहां से ट्रेन सेवाएं चार घंटे से ज्यादा समय तक निलंबित रहीं। कोलकाता मेट्रो के इतिहास में यह अभूतपूर्व घटना है। महानगर में कई इलाकों में तेज हवाओं से पेड़ उखड़ गए। निचले इलाकों में जलजमाव हो गया। मौसम विभाग ने मंगलवार से दक्षिण बंगाल में मौसम के साफ होने का पूर्वानुमान जताया है, हालांकि उत्तर बंगाल के कुछ जिलों को लेकर आगामी शनिवार तक के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आचार संहिता हटने के बाद प्रभावितों के लिए क्षतिपूर्ति की घोषणा करने की बात कही है। दूसरी तरफ राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस ने सोमवार को कोलकाता व आसपास के प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उनके साथ राजभवन की ओर से गठित टास्क फोर्स के अधिकारी शामिल थे। उन्होंने राहत व बचाव कार्यों का मुआयना किया और प्रभावित लोगों से बातचीत कर उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

न्यूज गैलरी

असम में दो अलग अलग अभियानों के तहत पांच ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम में कम से कम पांच संदिग्ध ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तस्करों के पास से हेरोइन जब्त की गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने बाताया कि कल दो -शेष पृष्ठ दो पर

पंजाब के कैबिनेट मंत्री का अश्लील वीडियो वायरल

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार में एक और कैबिनेट मंत्री का अश्लील वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि, पंजाब सरकार ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन अकाली दल नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया ने इसे कैबिनेट मंत्री बलकार सिंह का वीडियो होने -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर ने पिछले 35 वर्षों में सबसे अधिक 58.46 प्रतिशत मतदान के साथ रचा इतिहास : ईसी

नई दिल्ली (हि.स.)। देश की चुनावी राजनीति में जम्मू-कश्मीर ने पिछले 35 वर्षों में अबकी बार सबसे अधिक मतदान कर इतिहास रच दिया। आम चुनाव 2024 में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की पांच लोकसभा सीटों पर संयुक्त मतदाता मतदान (वीटीआर) 58.46 प्रतिशत था। यह महत्वपूर्ण भागीदारी क्षेत्र में लोगों की मजबूत लोकतांत्रिक भावना और नागरिक भागीदारी का प्रमाण है। चुनाव आयोग ने सोमवार को एक बयान में कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ केंद्र शासित प्रदेश में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने पर मतदान कर्मियों और सुरक्षा अधिकारियों को धन्यवाद दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं को चुनाव आयोग की तरफ से बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि 2019 के बाद से चुनाव लड़ने -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के परिजनों को नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सख्त संदेश देते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर में किसी आतंकवादी या पथराव करने वाले किसी व्यक्ति के परिजनों को सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। शाह ने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने न केवल आतंकवादियों को निशाना बनाया है, बल्कि आतंकी ढांचे को भी समाप्त कर दिया है जिससे देश में आतंकी घटनाओं में काफी कमी आई है। उन्होंने बीते सप्ताहांत में दिए साक्षात्कार में कहा कि हमने कश्मीर में फैसला किया है कि अगर कोई किसी आतंकवादी संगठन से जुड़ जाता है तो उसके परिवार के सदस्यों को कोई सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। शाह ने यह भी कहा कि अगर कोई पथराव में शामिल रहता है तो उसके परिवार के सदस्यों को भी कोई सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि फैसले के खिलाफ मानवाधिकार कार्यकर्ता उच्चतम न्यायालय में गए थे, लेकिन अंततः सरकार की जीत हुई। हालांकि, गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ऐसे मामलों को अपवाद स्वरूप लेगी जब किसी परिवार से कोई व्यक्ति खुद आगे आकर अधिकारियों को सूचित करता है कि उसका कोई करीबी रिश्तेदार किसी आतंकवादी संगठन में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों को राहत दी जाएगी। शाह ने कहा कि पहले कश्मीर में किसी आतंकी के मारे जाने के बाद जनाजा निकाला जाता था। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

पद्म श्री पुरस्कार लौटाएंगे हेमचंद मांझी कहा- नक्सलियों से मिल रहीं हैं धमकियां

रायपुर। पारंपरिक चिकित्सक वैद्यराज हेमचंद मांझी ने अपना पद्म श्री पुरस्कार लौटाने का एलान किया है। उनका कहना है कि नक्सलियों की लगातार मिल रही धमकियों की वजह से वह इस पुरस्कार लौटाएंगे। पुलिस का कहना है कि नक्सलियों ने रविवार रात नारायणपुर जिले के चमेली और गौरदंड गांवों में दो निर्माणाधीन मोबाइल टावरों में आग लगा दी। इसके साथ ही नक्सलियों ने वहां मांझी को धमकी देने वाले बैनर लगाए। इसके अलावा वहां कुछ पर्चे भी फेंके गए, जिसमें हेमचंद मांझी की पद्म श्री सम्मान लेते हुए तस्वीर छपी थी। नक्सलियों ने आरोप लगाया है कि मांझी ने नारायणपुर -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षा विभाग ने गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय सारणी में किया बदलाव

गुवाहाटी (हि.स.)। भीषण गर्मी के चलते आज से राज्य के स्कूलों की समय सारणी में बदलाव किया गया है। राज्य के शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार स्कूल खुलने का समय सुबह 7.30 बजे निर्धारित किया गया है। हालांकि, ग्रामीण इलाकों के कुछ स्कूलों में सरकारी निर्देश का पालन होते नहीं देखा गया। जबकि, शहरी इलाकों में स्थिति बेहतर नजर आई। कुछ स्कूलों सुबह 9 बजे तक स्कूलों में शिक्षक नहीं पहुंच सके। वहीं, दूसरी ओर आज से सुबह 7.30 बजे से स्कूल खुलने की समय सूची जारी होने के बावजूद विद्यार्थी भी स्कूलों में नहीं पहुंचे। हर स्कूल में पढ़ाई सुबह 7.30 बजे से शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

घोषणा पत्र में पार्टी या उम्मीदवार जो वादे करते हैं, उसे भ्रष्ट आचरण नहीं माना जा सकता : एससी

नई दिल्ली। चुनाव के दौरान कोई भी राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में जो वादे करता है, जिनमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वित्तीय सहायता दी जाती है, उसे उम्मीदवार का भ्रष्ट आचरण नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने इस संबंध में दायर याचिका को खारिज करते हुए इस तर्क को बहुत दूर की कौड़ी बताया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि कोर्ट ने रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री का अध्ययन किया है और याचिकाकर्ता शशांक जे। श्रीधर का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील को भी काफी विस्तार से सुना है। बेंच ने 17 मई को पारित एक आदेश में कहा कि वकील का यह तर्क कि किसी राजनीतिक दल द्वारा अपने घोषणापत्र में की गई प्रतिबद्धताएं, जो अंततः बड़े पैमाने पर जनता को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं, उस पार्टी के उम्मीदवार द्वारा भ्रष्ट आचरण के समान होंगी, बहुत दूर की कौड़ी है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। -शेष पृष्ठ दो पर

चीन की आखिरी मस्जिद पर भी बरसा जिनपिंग का हथौड़ा, मुस्लिमों की लाठी से पिटाई

बीजिंग। चीन से दुनियाभर के मुस्लिमों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। जिनपिंग से ऑर्डर मिलने के बाद आखिरी मस्जिद भी तोड़ दी गई है। सादियान की ग्रैंड मस्जिद चीन की सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक है। लेकिन इस मस्जिद के तीन गुबंद पर हथौड़ा चला दिया गया। चीन ने सिर्फ एक प्रांत शिनजियांग में ही 16 हजार से अधिक मस्जिदों पर बुलडोजर चला दिया। लेकिन भारतीय मुसलमानों के नाम पर दुष्प्रचार करने वाले कुछ मुस्लिम देश इसकी निंदा तो दूर चीन पर एक बयान नहीं दे पाए। चीन का सदाबहार दोस्त पाकिस्तान भी सबकुछ देखकर भी गूंगा बन गया। असम में जिनपिंग सरकार मुस्लमानों के धार्मिक स्थलों को चाइनिज स्टाइल में -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया के विश्लेषकों का भी दावा-

पीएम मोदी शानदार प्रदर्शन के साथ जीतेंगे चुनाव, भारत की सर्वोच्चता रखेंगे बरकरार

नई दिल्ली। भारत भर में मतदाताओं ने कल चल रहे भारतीय संसदीय चुनावों के छठे चरण में अपना मतदान किया। इस बीच लगभग 90 फीसदी निर्वाचन क्षेत्रों में वोट भारतीय लोगों द्वारा डाले जा चुके हैं, जबकि चुनाव का 7वां चरण 1 जून 2024 को होगा, जहां लगभग 10 फीसदी निर्वाचन क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। इन चुनावों में सीटों की कुल संख्या 543 निर्वाचन क्षेत्र हैं। भारतीय चुनावों के आधिकारिक नतीजे 4 जून 2024 को प्रकाशित किए जाएंगे, लेकिन देश-विदेश के समाचार विश्लेषकों और राजनीतिक विद्वानों ने दावा किया है कि भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शानदार प्रदर्शन के साथ चुनाव जीतेंगे और इस तरह भारत की क्षेत्रीय सर्वोच्चता बरकरार रहेगी। दुनिया भर के विश्लेषकों व अधिकांश मीडिया आउटलेट्स ने दावा किया है कि नरेंद्र मोदी एक और जीत की ओर बढ़ रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

यूक्रेन ने रूस की परमाणु रडार स्टेशन पर किया हमला

अमेरिकी विशेषज्ञों ने कहा- ये बड़ी बेवकूफी

वाशिंगटन। दो साल से ज्यादा समय से जारी रूस और यूक्रेन युद्ध में दोनों देशों का बड़ा नुकसान हो चुका है लेकिन दोनों देश पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। इस बीच खबर है कि रूस की सेनाओं ने टैक्टिकल परमाणु हथियारों के साथ सैन्याभ्यास शुरू कर दिया है। उधर, रूसी विदेश मंत्री सर्गे लावरोव की यूक्रेन का साथ देने वाले पश्चिमी देशों को लताड़ के बीच यूक्रेन ने रूस की परमाणु रडार स्टेशन पर हमला बोल दिया है। यूक्रेनी ड्रोन ने रूस के परमाणु बुनियादी ढांचे के एक महत्वपूर्ण हिस्से, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आध्यात्मिक सशक्तीकरण ही वास्तविक सशक्तीकरण : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आध्यात्मिक मूल्यों को विकसित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आध्यात्मिक सशक्तीकरण ही वास्तविक सशक्तीकरण होता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक मूल्य सभी धर्मों के लोगों को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। राष्ट्रपति सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रह्मा कुमारी संस्थान द्वारा आयोजित *स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तीकरण* कार्यक्रम के राष्ट्रीय शुभारंभ पर सभा को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व इतिहास के स्वर्णिम अध्याय और राष्ट्रों का इतिहास सदैव आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित रहे हैं। विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि आध्यात्मिक मूल्यों की उपेक्षा करके केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंततः विनाशकारी सिद्ध हुआ है। स्वस्थ मानसिकता के आधार पर ही समग्र कल्याण

संभव है। उन्होंने कहा कि एक सच्चा स्वस्थ व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों आयामों को पूरा करता है। ऐसे व्यक्ति ही एक स्वस्थ समाज, राष्ट्र एवं विश्व समुदाय का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तीकरण ही वास्तविक सशक्तीकरण होता है। जब किसी धर्म और पंथ के मानने वाले अध्यात्म के मार्ग से भटक जाते हैं तो वे धर्मान्धता (कट्टरता) का शिकार हो जाते हैं और अस्वस्थ मानसिकता से ग्रस्त हो जाते हैं। आध्यात्मिक मूल्य सभी धर्मों के लोगों को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वार्थ से ऊपर उठकर लोक कल्याण की भावना के साथ काम करना, आंतरिक आध्यात्मिकता की सामाजिक अभिव्यक्ति है। जनता की भलाई के लिए दान करना सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक मूल्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में भय, आतंक और युद्ध को बढ़ावा देने वाली ताकतें बहुत सक्रिय हैं। ऐसे माहौल में ब्रह्माकुमारी संस्था ने 100 से अधिक देशों में कई केंद्रों के माध्यम से मानवता के सशक्तीकरण के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि यह आध्यात्मिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार द्वारा विश्व बंधुत्व को शक्ति प्रदान करने का अमूल्य प्रयास है। राष्ट्रपति को यह जानकर प्रसन्नता हुई कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान संभवतः महिलाओं द्वारा संचालित दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक संस्थान है। उन्होंने कहा कि इस संगठन में ब्रह्माकुमारियां आगे रहती हैं और उनके सहयोगी ब्रह्माकुमार पृष्ठभूमि में काम करते हैं। ऐसे अनूठे सामंजस्य के साथ यह संस्था निरंतर आगे बढ़ रही है। ऐसा करके उसने विश्व समुदाय के समक्ष आध्यात्मिक प्रगति एवं महिला सशक्तीकरण का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

स्कूल में लगी भीषण आग, 1400 छात्राओं को सुरक्षित निकाला गया बाहर

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक पहाड़ी इलाके में भीषण आग की चपेट में आई एक स्कूल की इमारत से सोमवार को लगभग 1,400 छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह जानकारी मीडिया की एक खबर से मिली। जियो न्यूज ने एक बचाव अधिकारी के हवाले से बताया कि आग हरिपुर जिले के सिरिकोट गांव में सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में उस समय लगी जब सैकड़ों छात्राएं अंदर थीं। उन्होंने बताया कि स्थानीय निवासियों के साथ अग्निशमन कर्मियों ने आग बुझाना शुरू किया। अधिकारी ने कहा कि पहाड़ी इलाका होने के कारण दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। हरिपुर के रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता फराज जलाल ने कहा कि वहां लगभग 1,400 छात्राएं थीं और उन सभी को स्कूल की इमारत से सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रवक्ता ने कहा कि विद्यालय की इमारत आग से पूरी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बचाव विभाग ने पुष्टि की कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई है और कहा कि स्कूल भवन का आधा हिस्सा लकड़ी से बना हुआ था। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने पुष्टि की कि स्कूल की इमारत में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। चौधरी ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और स्कूल को जल्द ही चालू किया जाएगा। पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा एक अशांत प्रांत है, जहां आतंकवादियों द्वारा स्कूल भवनों को अक्सर निशाना बनाया जाता रहा है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि बचाव अधिकारियों ने समय पर कार्रवाई की और छात्राओं को बाहर निकाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन दुर्घटना के संबंध में एक रिपोर्ट सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों की समीक्षा की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो। गंडापुर ने कहा कि प्रांतीय सरकार आग से हुए नुकसान की भरपाई करेगी।

सड़क दुर्घटना में तीन घायल

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में एक बच्चा समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस में सोमवार को बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर कार (एएस-01बीएल-8667) और ई-रिक्शा के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में ई-रिक्शा का चालक, एक महिला और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

चार मवेशी चोर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के जखलाबंधा पुलिस ने कलियाबोर इलाके में अभियान चलाकर चार पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि जोरहाट से नगांव के रुपहीहाट की ओर जा रही कार (एएस-12पी-0007) से चार मवेशियों को बरामद किया गया। पुलिस ने इस मामले में चार पशु चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार पशु तस्करों की पहचान रुपहीहाट निवासी सबीकुल इस्लाम, मरफत अली, मुबारक हुसैन और सामागुड़ी के असादुल के रूप में की गई है। ज्ञात हो कि सभी मवेशियों को कार में चुरा कर लाया गया था।

इजराइल-मिस्त्र के सैनिकों के बीच गोलीबारी, एक सैनिक की मौत

तेल अबीब। इजरायल के सैन्य हमलों में दक्षिणी गाजा शहर राफा के पश्चिमी तट में हमास के चीफ ऑफ स्टाफ यासीन रबिया की मौत हो गई। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने सोमवार को बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर रविवार शाम उत्तर-पश्चिम राफा में ताल अस सुल्तान के इलाके में हमला किया गया था, जिसमें फिलीस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास का चीफ ऑफ स्टाफ यासीन रबिया मारा गया। गौरतलब है कि राबिया ने पूरे पश्चिमी तट पर हमास के हमलों की योजना बनाई थी। इसके अलावा उसने 2001 और 2002 में कई जानलेवा हमले किए थे, जिसमें इजरायली सैनिक मारे गए। आईडीएफ के अनुसार हमास के वेस्ट बैंक मुख्यालय में एक वरिष्ठ अधिकारी खालिद नागर भी इजरायली हवाई हमले में मारा गया। उसने कथित तौर पर वेस्ट बैंक में हमलों का निर्देश दिया और गाजा पट्टी में हमास की गतिविधियों के लिए धन हस्तांतरित किया। आईडीएफ ने आशंका जताई है कि हमले और गोलीबारी में कई नागरिक घायल हुए हैं। अब इस मामले में दोनों देश एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। मिस्त्र ने कहा कि इजरायल ने पहले गोली चलाई है। जबकि इजरायल की एजेंसी ने कहा है कि मिस्त्र की ओर से पहले गोली चली है। मिस्त्र के सूत्रों ने इस घटना के लिए इजराइल को दोषी ठहराया है, अल अरबिया को बताया कि राफा चेकपॉइंट पर गोलीबारी इजरायल की ओर से शुरू हुई। इजरायली सूत्रों का दावा है कि मिस्त्रवासियों ने पहले गोलीबारी शुरू की, आईडीएफ सैनिकों ने हवा में जवाबी फायरिंग की। मिस्त्र के एक सैनिक की जान चली गई, और 2 अन्य घायल हो गए। फिलहाल, इजरायली पक्ष की ओर से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मंदिर में चोरी

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के मंगलदै इलाके में श्री श्री महुआ मोवामरिया हरि मंदिर में चोरों द्वारा चोरी किए जाने का मामला सोमवार की सुबह सामने आया है। मंदिर परिचालन कमेटी ने बताया कि बीती रात तीन चोर मंदिर में प्रवेश कर मंदिर के दान पत्र से पैसे चुराकर फरार हो गये। चोर मंदिर से डेढ़ लाख रुपए से अधिक नगद और लगभग तीन लाख रुपए से अधिक के सोने चांदी के आभूषण चुराकर फरार हो गये।

अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के जामगुड़ीहाट के ईटाखोला इलाके में एक वृद्ध व्यक्ति का शव देखे जाने के बाद स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात ईटाखोला इलाके में स्थित मस्जिद के पीछे वृद्ध व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति का शो अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

अंतिम चरण से पहले सीएम ममता ने सीएए एनआरसी और यूसीसी पर चला दांव

कोलकाता। मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी बड़े ही सुनियोजित तरीके से लोकसभा चुनाव के हर चरण से पहले नए-नए दांव-पेंच खेल रही हैं। पांचवें चरण से पहले ममता ने हुगली में कहा था कि अगर केंद्र में आईएनडीआईए की सरकार बनती है तो वह उन्हें बाहर से समर्थन करेंगी। इस पर जब विवाद बढ़ा तो इसके 24 घंटे के भीतर ही यूटर्न लेते हुए कहा कि वह आईएनडीआईए का हिस्सा हैं और आगे भी रहेंगी। उनके

बयानों का गलत अर्थ निकाला गया। अब जब छह चरण के चुनाव संपन्न हो चुके हैं तो सातवें चरण से पहले आईएनडीआईए के समक्ष तीन शर्तें रख दी हैं। उन्होंने जादवपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनके समर्थन से केंद्र में आईएनडीआईए सरकार बनने पर शर्त होगी कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए), राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को रद करना होगा। वैसे तो वह शुरू से ही इन तीनों ही कानून का विरोध करती आ रही हैं। परंतु, अभी सीएए कानून बन कर लागू हुआ है लेकिन एनआरसी और यूसीसी को लेकर कोई कानून नहीं बना है। वह बहुत ही सुनियोजित तरीके से इस मुद्दे को उठाया है ताकि अंतिम चरण में मुस्लिम वोटों का बंटवारा न हो। वह जिस तरह से रविवार को जादवपुर की चुनावी सभा में यह शर्तों की बातें कहते हुए यह कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने जो ओबीसी प्रमाणपत्र रद करने का आदेश दिया है उसे वह नहीं मान रही हैं और सुप्रीम कोर्ट जा रही हैं। वहीं उन्होंने यह भी बताना नहीं भूला कि उन्होंने ओबीसी श्रेणी में आरक्षण को 17 प्रतिशत बढ़ाकर 97 प्रतिशत मुस्लिमों को इसके दायरे में ला दिया है। बताते चलें कि दक्षिण 24 परगना की चार, कोलकाता की दो और उत्तर 24 परगना कि तीन सीटों पर एक जून को मतदान होना है। इन सीटों पर मुस्लिम वोटरों की संख्या काफी है।

पृष्ठ एक का शेष

जम्मू-कश्मीर ने पिछले ...

वाले उम्मीदवारों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि की विश्वसनीय बुनाई पर आधारित है, सी-विजिल शिकायतें बढ़ी हुई नागरिक भागीदारी दिखा रही हैं और सुविधा पोर्टल रैलियों आदि के लिए 2455 अनुरोध दिखा रहा है। यह चुनाव और प्रचार क्षेत्र में झिझक से दूर और पूर्ण भागीदारी की ओर लगातार हो रहे बदलाव को दर्शाता है। चुनावी लामबंदी और भागीदारी के इस परिणाम की तुलना प्रसिद्ध कश्मीरी कारीगर बुनाई की प्रसिद्धि और निपुणता की याद दिलाती है। यह सक्रिय भागीदारी जल्द ही होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक बड़ी सकारात्मक बात है ताकि केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया चलती रहे। आयोग के अनुसार कश्मीर घाटी में तीन संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में 50.86 प्रतिशत मतदान लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। मतदान भागीदारी प्रतिशत में 2019 में अंतिम आम चुनाव से 30 अंक की बढ़ोतरी देखी गई, जहां यह 19.16 प्रतिशत था। घाटी के तीन संसदीय क्षेत्रों श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग-राजौरी में क्रमशः 38.49 प्रतिशत, 59.1 प्रतिशत और 54.84 प्रतिशत वीटीआर दर्ज किया गया, जो पिछले 3 दशकों में सबसे अधिक है। केंद्र शासित प्रदेश के अन्य दो निर्वाचन क्षेत्रों अर्थात् उधमपुर और जम्मू में क्रमशः 68.27 प्रतिशत और 72.22 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। आयोग ने बयान में कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में ऐतिहासिक भागीदारी का एहसास चुनाव और सुरक्षा अधिकारियों के प्रयासों से हुआ, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों, विशेषकर युवाओं को चुनाव में भाग लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास किया था। अधिकतर युवाओं ने अपनी आस्था व्यक्त की है और बड़े पैमाने पर लोकतंत्र को अपनाया है। एक और दिलचस्प परिप्रेक्ष्य 18-59 वर्ष के आयु वर्ग के मतदाताओं का है, जो केंद्र शासित प्रदेश में मतदाताओं का प्रमुख हिस्सा हैं। आम चुनाव 2024 में उच्च मतदान प्रतिशत लोकतंत्र में उनके विश्वास को दर्शाता है, जो एक सकारात्मक और उत्साहजनक विकास है।

जम्मू-कश्मीर में ...

कहा कि हमने यह परिपाटी बंद कर दी। हमने सुनिश्चित किया कि आतंकवादी को सभी धार्मिक रिवाजों के साथ सुपुर्दे खाक किया जाए लेकिन किसी निर्जन स्थान पर। गृह मंत्री ने कहा कि जब कोई आतंकवादी सुरक्षा बलों से घिरा होता है तो पहले उसे आत्मसमर्पण का अवसर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हम उसकी मां या पत्नी आदि किसी परिजन को बुलाते हैं और उनसे कहते हैं कि आतंकवादी से आत्मसमर्पण की अपील करें। अगर वह (आतंकी) नहीं सुनता तो मारा जाता है। गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की घटनाओं में काफी गिरावट आई है क्योंकि सरकार ने न केवल आतंकवादियों को निशाना बनाया है बल्कि आतंकी ढांचे को भी नेस्तानाबूद कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमने एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) के माध्यम से आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ मजबूत कार्रवाई की है और इसे समाप्त कर दिया है। हमने आतंकवाद के वित्तपोषण पर बहुत सख्त रुख अपनाया है। प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के संदर्भ में शाह ने कहा कि सरकार ने संगठन द्वारा आतंकवादी विचारधारा के प्रकाशन और प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। केरल में स्थापित मुस्लिम चरमपंथी समूह पीएफआई पर केंद्र सरकार ने 2022 में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत पाबंदी लगा दी थी। आतंकी गतिविधियों के साथ कथित संपर्कों को लेकर यह प्रतिबंध लगाया गया था। कथित खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के मामले को लेकर शाह ने कहा कि हमने उसे एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम) के तहत जेल में डाल दिया है। चरमपंथी सिख अलगाववादी समूह *वारिस पंजाब दे* के मुखिया अमृतपाल सिंह को अप्रैल 2023 में एनएसए के तहत पंजाब में गिरफ्तार किया गया था और वह इस समय असम की डिब्रूगढ़ जेल में है। सिंह ने हाल में जेल से पंजाब की खडूर साहिब सीट से लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में 2018 में आतंकवाद की 228 घटनाएं सामने आई थीं और 2023 में यह संख्या घटकर करीब 50 रह गई। आंकड़ों के अनुसार सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच 2018 में मुठभेड़ की 189 घटनाएं घटीं और 2023 में इनकी संख्या घटकर 40 के आसपास रह गई। साल 2018 में आतंकवाद से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में करीब 55 आम नागरिक मारे गए थे। यह संख्या 2023 में घटकर पांच रह गई। आंकड़ों के अनुसार 2018 में जम्मू-कश्मीर में आतंकी हिंसा में कुल 91 सुरक्षा कर्मी मारे गए थे और यह संख्या 2023 में घटकर करीब 15 रह गई।

पद्म श्री पुरस्कार ...

के छोटेडोंगर इलाके में आमदई घाटी लौह अयस्क परियोजना को शुरू करने में मदद की और इसके लिए रिश्वत भी ली। नक्सलियों द्वारा इससे पहले भी माझी पर इस तरह के आरोप लगाकर धमकी दी गई थी। उधर वैद्यराज मांझी ने खुद पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है। वैद्यराज ने कहा कि अपने परिवार से बात करने के बाद उन्होंने पद्म श्री सम्मान लौटाने का फैसला लिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह अपना पारंपरिक चिकित्सा का काम भी छोड़ देंगे। मांझी ने कहा कि मैं पद्म श्री पुरस्कार लौटा दूंगा। इससे पहले नक्सलियों ने मेरी भतीजी कोमल मांझी पर झूठे आरोप लगाकर उसकी हत्या कर दी थी। मैं और मेरा परिवार डर के साये में जी रहे हैं। 9 दिसंबर 2023 को छत्तीसगढ़ के छोटेडोंगर में कोमल मांझी की हत्या की गई थी। फिलहाल स्थानीय पुलिस द्वारा वैद्यराज के परिवार को सुरक्षा प्रदान की गई है। हेमचंद मांझी पांच दशकों से ज्यादा समय से बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के ग्रामीणों को प्राकृतिक और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रह हैं। अबूझमाड़ के प्रख्यात वैद्यराज हेमचंद मांझी को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। नारायणपुर के छोटे डोंगर में जन्मे हेमचंद मांझी उस समय से लोगों का इलाज कर रहे हैं, जब उस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं थी। अपने ज्ञान और सेवाभाव की बदौलत से उन्होंने लोगों का इलाज शुरू किया और पिछले पांच दशकों से मरीजों का उपचार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सहित आसपास के राज्यों और विदेशों में रहने वाले पीड़ित मरीज भी छोटे डोंगर पहुंचकर इलाज कराते हैं। जब हेमचंद मांझी को पद्म श्री पुरस्कार की घोषणा हुई थी, तब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने निवास में आमंत्रित कर उनका सम्मान किया था।

शिक्षा विभाग ने ...

होगी। प्री-प्राइमरी स्कूलें सुबह 7.30 बजे से 12.30 बजे तक चलेंगी। मिडिल प्राइमरी स्कूल सुबह 7.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक और हाई और हायर सेकंडरी स्कूल 7.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक चलेंगे। मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग के इस निर्देश की जानकारी अधिकांश स्कूलों के विद्यार्थियों को नहीं थी, जिसके चलते नई समय सारणी के तहत विद्यार्थी स्कूलों में नहीं पहुंच सके। विद्यार्थियों का कहना था कि स्कूल की ओर से उन्हें सही जानकारी नहीं मिली थी, जिसके चलते आज ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई। हालांकि, राज्य में पिछले एक सप्ताह से पड़ रही भीषण गर्मी के चलते कई जिलों के जिलाधिकारी पहले ही स्कूलों की समय सारणी में बदलाव करने की सूचना जारी की थी। बाद में बढ़ती गर्मी को देखते हुए शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी स्कूलों की समय सारणी में बदलाव के लिए दिशा-निर्देश जारी किया। बदले हुई समय सारणी के पहले दिन कुछ स्कूलों में जरूर गफलती हुई, लेकिन माना जा रहा है कि कल से पूरे राज्य में इसका पालन होने लगेगा।

घोषणा पत्र में पार्टी ...

सुप्रीम कोर्ट ने अपील खारिज करते हुए कहा कि इस तरह के प्रश्न पर विस्तृत रूप से निपटने की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी मामले में इन मामलों के तथ्यों और परिस्थितियों में हमें इस तरह के प्रश्न पर विस्तृत रूप से विचार करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में अपीलें खारिज की जाती हैं। हालांकि इस दौरान बेंच ने कानून के प्रश्न को खुला रखा जिस पर उचित मामले में निर्णय लिया जा सकता है। दरअसल याचिकाकर्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अप्रैल में हाईकोर्ट ने कहा था कि जिस नीति को वो लागू करने की उम्मीद करते हैं, उसके संबंध में एक पार्टी की घोषणा, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के प्रयोजनों के लिए एक भ्रष्ट आचरण नहीं है। याचिकाकर्ता चामराजपेट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से मतदाता है। जिसने 2023 के कर्नाटक राज्य विधानमंडल चुनाव में उम्मीदवार बी जेड जमीर अहमद खान के चयन को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है। खान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) से उम्मीदवार थे और उन्होंने चुनाव में जीत दर्ज की थी। याचिका को न्यायमूर्ति एम आई अरुण की अध्यक्षता वाली एकल न्यायाधीश पीठ ने खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता का कहना है कि जमीर अहमद पांच गारंटी देकर मतदाताओं को लुभाया है। उन्होंने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत मतदाताओं को भ्रष्ट कर दिया है। ऐसे में याचिकाकर्ता ने जमीर अहमद के चयन रद्द करने की मांग की थी। चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए गए मुफ्त उपहारों के वादों के खिलाफ वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

चीन की आखिरी मस्जिद ...

बनवा रही है। इसलिए मस्जिदों को तोड़ा जा रहा है। गुबंद और मीनारों को ध्वस्त कर दिया गया है। यहां तक की मस्जिदों में दिखने वाले हरे रंग पर भी पाबंदी लगा दी गई है। पुरानी मस्जिद अरबी शैली में बनी थी जबकि नई मस्जिद में अरबी शैली की वास्तुकला खत्म कर दी गई है। दरअसल, चीन ने अपने देश में इस्लाम को भी बदल दिया है और इससे जुड़ी एक-एक चीज को भी बदल दिया है। चीन का मुसलमानों पर ऐसा हमला 57 मुस्लिम देशों के माथे पर भी जिसे देखकर पसीना आ गया है। चीन ने लगातार अपने फैसलों से कुरान, मस्जिद, इस्लामिक नाम, ढाढ़ी, बुर्का का चीनीकरण कर दिया है। यानी इन सभी को अपने स्टाइल में बदल दिया है। इसी कड़ी में इस्लामिक स्ट्राइल में बनी देश की मस्जिद को भी हटा दिया है। इसे ग्रैंड मौस्क ऑफ सेडियन कहा जाता है। हैरानी की बात देखिए कि चीन के चीन के इस कदम के बाद एक भी मुस्लिम देश में पत्ता तक नहीं हिला। करोड़ों मुस्लिम मानों आंख बंद करके बैठ गए हो। यही काम अगर भारत में हुआ होता तो भयंकर बवाल मच जाता। मुस्लिम संगठन ओआईसी, एनजीओ, ह्यूमन राइट्स वाले और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर टूट पड़ते और एजेंडा चलाने में लग जाते। लेकिन चीन का नाम आते ही मानो ये सभी छुट्टी पर चले गए हैं। आपको बता दें कि चीन ने अपने देश में 29 मुस्लिम नामों पर बैन तक लगाया हुआ है। चीन में कोई भी अपने नाम में इमाम, सद्दाम, हज, मदीना जैसे शब्द नहीं लगा सकता है।

पीएम मोदी शानदार ...

मतदाताओं ने पहले ही अपना जनादेश दे दिया है। अभी केवल आधिकारिक नतीजे और घोषणा सामने आना बाकी है। मैं भारतीय चुनावों पर कुछ नवीनतम मीडिया कवरेज की व्याख्या के माध्यम से इस मूल्यांकन तक पहुंचा हूं। हालांकि, कथित तौर पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित भाजपा की स्थापना के लिए नेतृत्व करने वाले विचारकों का मूल्यांकन नहीं किया गया, जिससे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में असंतोष और निराशा की कुछ दरारें पैदा हो गईं, हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे दिन के अंत में भाजपा को वोट देंगे। सितंबर 2023 में नई दिल्ली में भारत द्वारा आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन इस तथ्य का परिचायक है कि नरेंद्र मोदी सरकार की स्वीकार्यता अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में और भी मजबूत हो गई है। नरेंद्र मोदी सादा और संयमित जीवन जीने की अपनी विशेषताओं के लिए जाने जाते हैं। उसका कोई परिवार नहीं है, कोई संतान नहीं है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। नरेंद्र मोदी की प्रोफाइल के ये उज्ज्वल पहलू नरेंद्र मोदी की राजनीतिक छवि को उजागर करते हैं और उन्हें आने वाले दिनों में भारत का नेतृत्व करने और भारत को एक प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए मतदाताओं के सामने एक अधिक स्वीकार्य व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करते हैं। इंडिया गठबंधन कुछ राज्य-आधारित गुटीय विवादों से पीड़ित है और कथित तौर पर इंडिया गठबंधन में राजनीतिक दल अभी भी अपनी कुछ वैचारिक असमानताओं को दूर नहीं कर सके हैं। भारत गठबंधन के भीतर ये आंतरिक दरारें नरेंद्र मोदी की चुनावी संभावनाओं को काफी हद तक आगे बढ़ाती हैं। बता दें कि भारतीय चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब वैश्विक अर्थव्यवस्था रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व में अशांत स्थिति, इजराइल और गाजा के बीच संघर्ष, हौथी विद्रोहियों के उदय के कारण भारी तनाव और अनिश्चितता का सामना कर रही है। यमन में जो समय-समय पर लाल सागर में पश्चिमी जहाजों पर हमला करते हैं, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, दुनिया भर में बढ़ती मुद्रास्फीति, वस्तुओं की बढ़ती कीमतें, संप्रभुता वगैरह। हालांकि, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत, दक्षिण एशिया में मूल्य वृद्धि को उल्लेखनीय रूप से नियंत्रित करने में सक्षम रहा है। यहां तक कि बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान को भी भारत की तुलना में अधिक कठिन मूल्य वृद्धि परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिकी विशेषज्ञों ने ...

अर्मावियर रडार स्टेशन पर हमला किया, जो आने वाली परमाणु मिसाइलों पर नजर रखता है। रूस यूक्रेनी मिसाइलों को ट्रैक करने के लिए इस सुविधा का उपयोग कर रहा था, जिसमें एटीएसीएमएस भी शामिल है, जो अमेरिका ने उन्हें प्रदान किया है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स के परमाणु शस्त्रागार विशेषज्ञ हंस क्रिस्टेंसन ने कहा कि यह यूक्रेन की ओर से एक बेवकूफी भरा निर्णय है। नॉर्वेजियन सैन्य विश्लेषक ने कहा कि कि यह सभी के हित में है कि रूस की बैलिस्टिक मिसाइल चेतावनी प्रणाली अच्छी तरह से काम करे। बता दें कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की सीमा के पास टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन के साथ सैन्याभ्यास का आदेश दिया था। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस सैन्याभ्यास को पुतिन की वॉर्निंग के तौर पर डिजाइन किया गया है। इस तरह पुतिन ने पश्चिमी देशों को चेतावनी दी है कि वे यूक्रेन के साथ उसके युद्ध में अब अधिक हस्तक्षेप नहीं करें। दरअसल पश्चिमी देश रूस के साथ यूक्रेन के युद्ध में उसे हथियार और अन्य सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस सैन्याभ्यास के पहले चरण में इस्कंदर और किंजल मिसाइलों को टेस्ट किया जाएगा। इस सैन्याभ्यास ने एक बार फिर से परमाणु हमले को लेकर सभी की चिंताओं को सामने ला दिया है।

असम में दो अलग...

अलग-अलग एंटी नारकोटिक अभियान चलाया गयाष इस दौरान भारी मात्रा हेरोइन जब्त की गई। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारे युवाओं को नशे के चंगुल से बचाएगा। सीएम शर्मा ने बताया कि एक अभियान कार्बी आंग्लांग और दूसरा अभियान गोलाघाट पुलिस और सीआरपीएफ की तरफ से चलाया गया था। कार्बी आंग्लांग पुलिस 554.66 हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। वहीं गोलाघाट पुलिस और सीआरपीएफ ने 505.05 ग्राम हेरोइन के साथ तीन को गिरफ्तार किया।

पंजाब के कैबिनेट ...

का दावा किया है। अकाली दल ने यह वीडियो पंजाब के राज्यपाल को सौंपा था। सोमवार को अकाली नेता विक्रमजीत सिंह मजीठिया ने कहा कि बलकार सिंह आज भी सरकार में बैठकर अपने पद का दुरूपयोग कर रहे हैं। इससे पहले भी पंजाब के एक और मंत्री लाल चंद कटारूचक्क का वीडियो वायरल हो चुका है। इस बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि पंजाब के मंत्री ने 21 साल की लड़की को नौकरी देने का लालच देकर उसका शारीरिक शोषण किया है। राज्यपाल इस मामले का संज्ञान लेकर बलकार सिंह को तुरंत बर्खास्त करें। कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैहरा ने कहा कि वह लालचंद तथा बलकार सिंह जैसे चरित्रहीन मंत्रियों को बचाने के भगवंत माने के रवैये को लेकर हैरान व दुखी हैं। सुखपाल सिंह खैहरा ने कहा कि बलकार सिंह के वीडियो ने समूचे पंजाब को शर्मसार कर दिया है। खैहरा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर जल्द ही आगे की रणनीति बनाकर पीड़िता के लिए न्याय की लड़ाई लड़ेगी।

चक्रवात रेमल का दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले में प्रभाव

दक्षिण सालमारा (हिंस)। चक्रवात रेमल का प्रभाव आज राज्य के दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले में दिखने लगा है। जिले में सुबह से ही तेज हवाएं चल रही हैं। साथ ही बीती रात से हल्की बारिश भी ही हो रही है। चक्रवात रेमल के मद्देनजर दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिला प्रशासन ने दिशा-निर्देश जारी किया था, जिसमें नदी में नावों के चलने पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। निर्देशों का पालन करते हुए यात्री नौकाओं और मालवाहक नाव चालकों ने नौकाओं को सुखचर घाट और विभिन्न सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बताया गया है कि जिला प्रशासन के जरिए 27-28 मई को नदी में दो दिनों के लिए नावों के परिचालन को बंद किए जाने के चलते कुछ मालवाहक नाव चालकों ने यात्रियों से अत्यधिक किराया वसूल कर धुबड़ी की ओर यात्रा शुरू कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन से निर्देश जारी करने के बाद नौका घाटों पर कोई भी प्रशासन कर्मी तैनात नहीं है। इसका फायदा उठाते हुए कुछ व्यक्ति अपनी नावों को नदी में चलाने का दु:साहस कर रहे हैं। चक्रवात के कारण जिले में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की जिला प्रशासन ने संभावना जताई है। हालांकि, राजधानी गुवाहाटी समेत राज्य के अन्य हिस्सों में भी चक्रवात रेमल का असर देखा जा रहा है। आज अहले सुबह से हल्की बारिश हो रही है। बारिश के चलते लोगों को पिछले एक सप्ताह से पड़ रही गर्मी से निजात मिली है। तूफान के चलते अभी तक कहीं से किसी भी अप्रिय घटना के समाचार नहीं मिले हैं। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोसल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि चक्रवात रेमल से असम के कुछ हिस्सों पर खतरा मंडराने की आशंका है। राज्य सरकार ने संभावित आपात स्थिति को देखते हुए कई एहतियाती कदम उठाए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें पूरी तरह से तैयार हैं और नियंत्रण कक्ष चालू हैं। हम असम के लोगों को सुरक्षित रखने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ ठोस नीतियां अपनाने का प्रयास कर रहे हैं। सभी लोग सुरक्षित रहें और किसी भी आपात स्थिति में अपने स्थानीय प्रशासन का सहयोग करें।

माजुली में बैंक मैनेजर गिरफ्तार

माजुली (हिंस)। माजुली की गड़मूर पुलिस ने निधि बैंक के मैनेजर पुलिन सैकिया को गिरफ्तार कर लिया। बैंक के प्रबंधक पुलनी सैकिया को गड़मूर पुलिस ने लखीमपुर जिले के घिलामारा से गिरफ्तार किया। पुलिन सैकिया की रिपुंज दास नामक एक ग्राहक की शिकायतों के आधार पर गिरफ्तार किया गया। घटना के विवरण के अनुसार, माजुली के कई लोगों ने गड़मूर की निधि बैंक की शाखा में अपना धन जमा कराया था। लेकिन, जिन लोगों ने बैंक में पैसा जमा किया था, मियाद पूरी होने के बाद भी उन्हें पैसा वापस नहीं किया गया। मैनेजर की गिरफ्तारी की खबर पाकर अपने रुपए मांगने के लिए थाना में ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी।

पाटकाई कोयला खदान में दबकर तीन श्रमिकों की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। पाटकाई पहाड़ के कोयला खदान में दबकर तीन श्रमिकों की मौत हो गई। यह हादसा अवैध रूप से किये जा रहे भूमिगत खनन के दौरान हुआ। पुलिस ने आज बताया कि खनन के कार्य में अवैध रूप से लगाए गए मजदूर कोयला खनन करते समय जिंदा दफन हो गए। जानकारी के अनुसार चार मजदूर लिडू में टिकक कोइलरी के तहत बरगोलाई-नामदांग के बीच टिकक वेस्ट माइनिंग में अवैध रूप से निर्मित भूमिगत खनन में बीती रात लगभग 12.30 बजे कोयला खनन करने गए थे। उनमें से तीन रेट माइन होल में कोयला खोद रहे थे और एक बाहर इसकी आपूर्ति कर रहा था। इसी बीच, भूस्खलन के कारण खदान का रास्ता बंद हो गया। जिससे तीनों मजदूर वहां फंस गए। जिसमें उनकी कथित तौर पर मौत हो गई। यह घटना खदान के बाहर कोयला ले जा रहे एक मजदूर की आंखों के सामने हुई। मारे गए तीन मजदूरों में से एक की पहचान नेपाल के भुजपुर निवासी दावा सेरपा के रूप में हुई है। जबकि, अन्य दो की पहचान मेघालय के जॉन और फिनाल के रूप में हुई है। पुलिस और नॉर्थ ईस्ट कोल फील्ड्स के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकालने के लिए अभियान चला रहे हैं।

करंट लगने से महिला की मौत

रंगिया (विभास)। रंगिया के ईसापुर में रविवार को हुई एक दुखद घटना से अंचल में शोक व्याप्त है। घटना के अनुसार इलाके की 55 वर्षीय प्रमिला दास नामक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोपहर के समय उक्त महिला पानी की मोटर चालू करने का प्रयास कर रही थी तभी करंट की चपेट में आ गई। इस दुर्घटना के बाद अंचल में शोकाकुल माहौल बना हुआ है। घटना के बारे में पुलीस को सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को बरामद किया और पोस्टमॉर्टम की व्यवस्था की गई।

ब्रह्मपुत्र में दो दिनों के लिए फेरी और जहाज सेवा स्थगित

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तर गुवाहाटी और गुवाहाटी के बीच फेरी और सभी जल परिवहन विभागीय जहाज सेवा सोमवार और मंगलवार को बंद रहेंगे। कामरूप जिला प्रशासन द्वारा यह खास निर्देश बंगाल की खाड़ी में जारी चक्रवात *रेमल* के मद्देनजर दिया गया है। कामरूप जिला प्रशासन द्वारा यह निर्णय नौका पार करने वाले यात्रियों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर लिया गया है। पिछले कुछ दिनों से राज्य में पड़ रही प्रचंड गर्मी के बाद रविवार की रात से ही हवा चलने लगी थी। रात से रुक-रुककर हल्की बारिश हो रही है। आसमान में बादल का जमावड़ा है। हवा के कारण ब्रह्मपुत्र नद में कुछ लहरें उठ रही हैं।

एजल में 3.547 किग्रा हेरोइन के साथ म्यांमार का नागरिक गिरफ्तार

एजल (हिंस)। मिजोरम की राजधानी एजल में 3.547 किग्रा हेरोइन के साथ म्यांमार के नागरिक को गिरफ्तार कर लिया गया। मिजोरम पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एजल जिला पुलिस की विशेष शाखा की एक टीम ने सेलेसिह इलाके में एक स्कूटर से हेरोइन से भरे दो बड़े बैग बरामद किए। बैगों की जांच के बाद पुलिस टीम ने हेरोइन से भरे 311 साबुनदानी जब्त किए। बक्से से 3.547 किग्रा हेरोइन जब्त की गई। जब्त हेरोइन का बाजार मूल्य 1 करोड़ 6 लाख 41 हजार रुपये होने का अनुमान लगाया गया है। हेरोइन की यह पर्याप्त मात्रा पड़ोसी देश म्यांमार से भारत में आपूर्ति की गई थी। इस बीच, पुलिस ने प्रतिबंधित हेरोइन की तस्करी के आरोप में म्यांमार के नागरिक सीटी लियाना को गिरफ्तार कर लिया है। सीटी लियाना म्यांमार के माटुंग ताहान जिले का निवासी है। म्यांमार ड्रग्स तस्कर ने बिना किसी वैध दस्तावेज के भारत में प्रवेश किया था।

पुलिस की हिरासत से चोर फरार

रंगिया (विभास)। रंगिया में एक अपराधी पुलिस हिरासत से फरार होने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, रंगिया पुलिस ने आरोपी सोन अहमद नामक एक व्यक्ति को चोरी के एक मामले में पकड़ा था। वहीं जब उसे लॉकअप में रखा जाने वाला था, तो वह पुलिस अधिकारियों से छूटकर फरार हो गया। पुलिस द्वारा उसे पकड़ने के लिए तत्काल और कठोर प्रयासों के बावजूद, अहमद पास की बरोलिया नदी में कूदकर भागने में सफल रहा। फिलहाल, रंगिया पुलिस ने उसे फिर से पकड़ने के लिए आसपास के सभी इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। बताया गया है कि फरार आरोपी सोन अहमद चेन स्नैचिंग और कई चोरी और डकैती सहित कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। पुलिस उसे वापस पकड़ने

के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर रही है। तलाशी अभियान जारी है, तथा पुलिस अधिकारी सोन अहमद के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से आगे आने का आग्रह कर रहे हैं।

हरियाणा भवन में एकल अभियान पूर्वोत्तर संभाग का कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी। समग्र भारतवर्ष में विगत 35 वर्षों से एकल अभियान के द्वारा देश की सीमा क्षेत्र, जनजातीय क्षेत्र तथा अति संवेदनशील क्षेत्रों में पंचमुखी योजना चलाया जा रहा है अर्थात एकल विद्यालय योजना, आरोग्य योजना, ग्रामोत्थान योजना, ग्राम स्वराज योजना, श्री हरि कथा योजना संचालित किया जा रहा है। ग्रामों की सर्वांगीण विकास हेतु यह अभियान निरन्तर प्रयासरत है। वर्तमान पूरे भारतवर्ष में एक लाख से अधिक ग्रामों में एकल अभियान का कार्य विस्तार किया गया है। उसमें से पूर्वोत्तर के असम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश में कुल 7260 ग्रामों में अभियान की विभिन्न सेवा कार्य विस्तार किया गया है। यह जन-जन का अभियान बने और राष्ट्रहित में पूर्णरूपेण समर्पित हो। शिक्षा, स्वास्थ, स्वावलम्बन, स्वाभिमान तथा संस्कार के माध्यम में समाज उत्थान तथा राष्ट्र निर्माण कारना ही एकल अभियान का उद्देश्य है। यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि एकल अभियान का यह राष्ट्र निर्माण के पुनित कार्य को सफल रूपायण करने हेतु पूर्वोत्तर में 520 से अधिक पूर्णकालिक

कार्यकर्ता और प्रत्येक ग्राम, जिला, प्रान्त स्तरीय समितियां तन-मन-धन पूर्वक अपनी सेवा प्रदान कर रही है। इस कार्य में कार्यरत उन सभी कार्यकर्ताओं का मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक विकास हेतु दिनांक 24 मई से तीन दिवसीय प्रभाग स्तरीय नैष्णात्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन गुवाहाटी महानगर स्थित हरियाणा भवन में कुसलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में पूर्वोत्तर से चयनित कुल 25 प्रमुख सेवाव्रती कार्यकर्ता ने भाग लिया। एकल अभियान के संगठन प्रभारी माधवेनद्र सिंह, प्रशिक्षक के नाते केंद्रीय प्रशिक्षण प्रमुख ओम प्रकाश शर्मा, केंद्रीय सह प्रशिक्षण प्रमुख रंजन कुमार बाग, सनत कुमार, केंद्रीय सह आरोग्य शिक्षा प्रमुख कर्ण गौड़, पूर्वोत्तर प्रभाग शिक्षा प्रभारी रीणा भौमिक, प्रभाग उपाध्यक्ष अतिन्द्र विजय चौधरी उपस्थित रहकर विभिन्न विषयों पर बौद्धिक प्रदान किए और उद्घाटन सत्र में एकल अभियान के केंद्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल ने मार्गदर्शन प्रदान की। रविवार को समिति दिशा-निर्देश प्रशिक्षण आयोजन गुवाहाटी स्थित हरियाणा भवन प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इस अनुष्ठान माजुली के उत्तर कमलाबाड़ी सत्र के सत्राधिकार श्री श्री जनार्दन देव गोस्वामी के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। इस श्रृंखला में पूर्वोत्तर प्रभाग समिति के नवीन प्रभाग समिति के अध्यक्ष अमल बैश्य, उपाध्यक्ष अतिन्द्र विजय चौधुरी, सचिव ज्योति प्रसाद सहरिया और उनके पूरी टोली ने शपथ पाठ करते हुए विधिवत पूर्वोत्तर का कार्यभार ग्रहण किया। जिसमें असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मणिपुर से लिजा स्तरीय, प्रांत स्तरीय समिति पदाधिकारी उपस्थित रहे। संगठन की ध्येय, अवधारणा, संगठन शात्र, अभियान समिति की भुमिका एवं कार्यपद्धति, ग्राम संगठन आदि विषयों पर एकल अभियान के संगठन प्रभारी माधवेन्द्र सिंह, केंद्रीय कार्यकारिणी की उपाध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल, अखिल भारतीय सह अभियान प्रमुख खेमानन्द सपकोटा ने प्रस्तुत की। इस मौके पर केंद्रीय प्रशिक्षण प्रमुख ओम प्रकाश शर्मा, सनत कुमार, कर्ण गौड़, केंद्रीय रथ सह प्रमुख राधाकान्त साह, शिक्षा प्रभारी पूर्वोत्तर प्रभाग श्रीमती रीना भौमिक, महिला समिति अध्यक्ष वंदना बगड़िया आदि उपस्थित रहे।

तेरापंथी सभा की आमसभा संपन्न

गुवाहाटी। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी (सत्र 2022-24) की साधारण सभा रविवार को सुबह 10 बजे स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में अध्यक्ष श्री बजरंग कुमारजी सुराणा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सभा की शुरुआत नमस्कार महामंत्र एवं सभा गीत से हुई। अध्यक्ष श्री सुराणा ने अपने संबोधन में आमसभा में पधारे सभी समाजबंधुओं का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा अपने कार्यकाल की सफलता के लिए अपनी पूरी टीम के साथ ही समाजबंधुओं के प्रति आभार ज्ञापन किया। तत्पश्चात मंत्री रायचंदजी पटावरी ने सभा द्वारा संपादित मुख्य कार्यक्रमों की जानकारी सभा सदन को दी। आय-व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष उम्मेद कुमार सेठिया ने प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। अध्यक्ष महोदय की तरफ से सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, समिति संयोजकों एवं संरक्षक मंडल का मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। साथ ही संपूर्ण कार्यकारिणी ने भी अध्यक्ष महोदय का मोमेंट देकर सम्मान किया। इस अवसर पर तेरापंथ धर्मस्थल नवीनीकरण के अनुदानदाताओं एवं विशेष सहयोगियों, महासभा के ट्रस्टी प्रताप कोचर, उपाध्यक्षद्वय बसंत कुमार सुराणा व विजय कुमार चोपड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष

झनकार दुधोड़िया, चुनाव अधिकारी सीए मनोजजी नाहटा, सहचुनाव अधिकारी सीए राजेशजी दुधोड़िया एवं टीम, अंकेक्षक सीए अरिहंतजी संचेती एवं गणमान्य व्यक्तियों का भी सम्मान किया गया। सत्र 2024-26 के लिए अध्यक्ष मनोनयन/चयन के तहत चुनाव अधिकारी सीए मनोज नाहटा ने चुनाव प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी सभा सदन को दी। उन्होंने बताया कि सभाध्यक्ष पद हेतु एकमात्र नामांकन पत्र श्री बाबूलालजी सुराणा (एम.एल.) का प्राप्त हुआ, जो कि वैध पाया गया। अत: बाबूलाल सुराणा को सत्र 2024-26 के लिए निर्विरोध निवार्चित घोषित किया गया। सभी संघीय संस्थाओं ने नवमनोनीत अध्यक्ष का अभिनंदन किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो को *पूर्वोत्तर हिंदी मित्र सम्मान* से पुरस्कृत किया गया

विश्वनाथ (विभास)। पूर्वोत्तर भारत में हिंदी साहित्य व भाषा के साथ पूर्वोत्तर के कला-संस्कृति तथा विरासत को आगे लेने में जुटी पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के नौवें स्थापना दिवस समारोह में कल तेजपुर के ऐतिहासिक स्थल असमीया क्लब के सभागार में विश्वनाथ के हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो को *पूर्वोत्तर हिंदी मित्र सम्मान* से सम्मानित किया गया। इस सारस्वत सम्मान में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश , कानपुर के वरिष्ठ लेखिका व साहित्यकार डॉ. अन्नपूर्णा वाजपेयी मौजूद थी। हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो को पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के सचिव कल्पना देवी आत्रेय ने असमीया पुलाम गामोछा से सम्मानित किया, इसके बाद तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना, कोषाध्यक्ष डॉ. शंकर चक्रवर्ती ने क्रमश: प्रशस्ति पत्र तथा स्मारक चिह्न प्रतीक से यह सम्मान प्रदान किया। संतोष कुमार महतो, विश्वनाथ चारिआलि एक उर्जावान युवा हिंदी सेवी हैं। विभिन्न संघ-संस्थाओं से उनका जुड़ाव है।वे हिंदी भाषा साहित्य संबंधी विभिन्न प्रकल्प चलाकर हिंदी भाषा-साहित्य के प्रचार प्रसार में संलग्न हैं। हाल ही में उनकी दो काव्य पुस्तक *शब्द संजीवनी* और साझा काव्य संकलन *ईशान-आलोक* में 10 कविताएं प्रकाशित हुई हैं। वर्तमान शिक्षक संतोष कुमार महतो जी राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रचारक के रूप भी सेवा दे रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में 10वीं कक्षा की छात्रा की मौत

जोरहाट (हिंस)। मरियोनी के सेलेंगहाट में एक सड़क हादसे में एक छात्रा की करुण मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार छात्रा चलती बाइक से छिटककर गिर गई। मरियोनी के सेलेंगघाट थानाक्षेत्र के गड़कोष में सोमवार की शाम को यह हादसा हुआ। मृतक छात्रा की पहचान लाहिंग शुकानजनिया निवासी सुनंदा बोरो के रूप में हुई है। छात्रा लाहिंग हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ती थी। स्पीड ब्रेकर पर छात्रा अपना नियंत्रण खो बैठी और बाइक की पिछली सीट पर से छिटककर गिर गई। छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सांगानेरिया धर्मशाला ट्रस्ट ने यातायात विभाग को उपलब्ध कराया शीतल पेय

गुवाहाटी। समय-समय पर विभिन्न सामाजिक व मानव सेवा कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते आ रहे सूरजमल जुहारमल सांगानेरिया धर्मशाला ट्रस्ट की ओर से यातायात पुलिस कर्मियों के लिए सहयोगभरा हाथ बढ़ाया गया है। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के चलते ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों को हो रही कठिनाई को देखते हुए राज्य के पुलिस प्रमुख जीपी सिंह ने भी आम जनता से आगे आकर पुलिसकर्मियों को पानी इत्यादि उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। जनता ने भी पुलिस प्रमुख की अपील का खुले दिल से स्वागत करते हुए विभिन्न स्थानों पर ड्यूटी

कर रहे पुलिसकर्मी को अपनी ओर से सहयोग प्रदान किया था। इसी क्रम में सूरजमल जुहारमल सांगानेरिया धर्मशाला ट्रस्ट के चेयरमैन श्रवण सांगानेरिया के नेतृत्व में ट्रैफिक डीसीपी कार्यालय में नींबू पानी के एक हजार बोतल उपलब्ध कराए। इस मौके पर यातायात विभाग के डीसीपी जयंत सारथी बोरा ने सांगानेरिया धर्मशाला ट्रस्ट द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यों से आम जनता और पुलिस के बीच दोस्ताना रिश्ते स्थापित होते हैं। इस मौके पर यातायात विभाग के अतिरिक्त डीसीपी शफीकउल हुसैन, एसीपी मणिकांत चाबुआ के अलावा धर्मशाला के ट्रस्टी अजय सांगानेरिया, प्रबंधक ओमप्रकाश पारीक, विवेक सांगानेरिया, शिवम सांगानेरिया व देव सांगानेरिया मौजूद थे।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 118PSC/CON/Exam-13/2023-24

RESULT

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 27th May, 2024, the result of the recruitment for the post of **Junior Manager (Civil, Mechanical & IT) in Assam Electricity Grid Corporation Limited (AEGCL)** (Advt. No. 14/2023 Dtd. 28/04/2023).

The Interviews for the said posts were conducted by the Commission on 17" May, 2024. The Commission recommended the following candidates for the said posts in order of merit.

(1) Junior Manager (Mechanical) :
Total Posts : 8 (RF W: 2) (Ex-Servicemen:1)
Break-up : OC:4 (RFW:1), OBC/MOBC: 2 (RFW:1), SC: 1, STP: 1

Position	Roll No	Name of Candidate	Gender	Ex-Servicemen	Recommended against vacancy
1	40920	PRANJIT KALITA	M		Open Category
2	40644	LAKSHYAJIT KONWAR	M		Open Category
3	40984	RAJDEEP BORTHAKUR	M		Open Category
4	41155	SIMBFIRAM IYOTI TALLUKDAR	M		Reserved
5	41092	SAMIM AKHTER	F		Open Category
6	41176	SOURAV DAS	M		Reserved
7	40869	PARTHAJIT BORDOLOI	M		Reserved
8	40358	DHARITRI DUARAH	F		Reserved

N.B.: No candidate found in Ex-Servicemen Category.

(2) Junior Manager (Civil):
Total Posts : 4 (RF W: 1) [PwBD:1-LV (Backlog)]
Break-up : OC:2 (RFW:1), SC: 1, STP: 1

Position	Roll No	Name of Candidate	Gender	PwBD	Recommended against vacancy
1	10387	HIFAJ ALI AHMED	M		Open Category
2	10165	BHOIRAB JYOTI DAS	M		Reserved
3	10122	BAISALI SANDILLYA	F		Open Category
4	10850	RAHUL DEURI	M		Reserved

N.B.: No candidate found in PWBD (LV) Category.

(3) Junior Manager (IT):
Total Posts : 2 (RF W: 1) (Reserved for Open Category)

Position	Roll No	Name of Candidate	Gender	Recommended against vacancy
1	30196	SABRINA YASMIN	F	Open Category
2	30011	ANKUR JYOTI SAIKIA	M	Open Category

NB : The Commission will not be responsible for any typing/printing mistakes.
* Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/994/24/28-May-24

संपादकीय

संविधान विरुद्ध मुस्लिम आरक्षण पर न्यायालय ने दिया संदेश

लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुस्लिम आरक्षण के विषय को उठाकर कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों के संविधान विरोध कृत्य को उजागर कर दिया है। मुस्लिम आरक्षण पर मचे हो-हल्ला के बीच न्यायालय से एक बहुत महत्वपूर्ण निर्णय आया है। उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी की सरकार को झटका देते हुए उन्हें द्वारा 2011 से जारी अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाण पत्रों को अमान्य करार दिया है। न्यायालय के निर्णय पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जिस प्रकार की प्रतिक्रिया दी है, वह किसी भी प्रकार से उचित नहीं कही जा सकती। एक प्रकार से उन्होंने संवैधानिक पद पर बैठकर न्यायालय की अवमानना की है। कोई मुख्यमंत्री यह कैसे कह सकता है कि वह न्यायालय के निर्णय को नहीं मानेगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यहाँ तक कह दिया है कि न्यायालय का यह निर्णय भाजपा का निर्णय लगता है। ममता बनर्जी को न्यायालय के आदेश से इसलिए चिढ़ हो रही है क्योंकि इससे उनके वोटबैंक को भारी नुकसान हो सकता है। दरअसल, ममता बनर्जी सरकार ने मुस्लिम समुदाय को साधने के लिए बड़ी संख्या में मुसलमानों को भी पिछड़ा वर्ग में शामिल करके उनके प्रमाण-पत्र जारी किए थे। कांग्रेस की सरकारों ने भी यह कारनामा किया है, जिस पर आजकर भाजपा हमलावर है। धर्म के आधार पर आरक्षण देना, वास्तव में संविधान विरोधी कृत्य है। हमारे संविधान में कहीं भी आरक्षण के लिए धर्म को आधार नहीं बनाया गया है। हिन्दू धर्म के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है। वहीं, राजनीतिक दल अपने राजनीतिक उत्थान के लिए मुस्लिमों को तुष्टीकरण करते हुए आरक्षण की व्यवस्था से छेड़छाड़ कर रहे हैं। मुसलमानों को आरक्षण देना केवल संविधान विरोधी कार्य नहीं है अपितु यह पिछड़ा वर्ग विरोध कृत्य भी है। एक तरह से पिछड़ा वर्ग के विभिन्न वर्गों का अधिकार छीनकर संप्रदाय विशेष को आरक्षण दिया जा रहा है। याद रखें कि संप्रदाय के आधार पर आरक्षण देने की भूमिका कांग्रेस के समय में ही बनायी गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गठित सच्चर कमेटी की रिपोर्ट ने इसका आधार तैयार किया है। उस रिपोर्ट में देश में मुस्लिम समुदाय की स्थिति के बारे में विस्तृत बातें की गई थीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों में केवल 3.5 प्रतिशत ही मुस्लिम थे। इसी को आधार बनाकर 2010 में पश्चिम बंगाल की वाम मोर्चा सरकार ने 53 जातियों को ओबीसी की श्रेणी में डाल दिया। इस तरह उस समय लगभग 87.1 प्रतिशत मुस्लिम आबादी आरक्षण के दायरे में आ गई। लेकिन, 2011 में वाम मोर्चा की सरकार सत्ता से बाहर हो गई और उसका यह फैसला कानून नहीं बन सका। बाद में, ममता सरकार ने इस सूची को बढ़ाकर 77 कर दिया। 35 नई जातियों को इस सूची में जोड़ा गया, जिसमें से 33 मुस्लिम समुदाय की जातियां थीं। ममता सरकार के इस कानून की वजह से राज्य की 92 फीसदी मुस्लिम आबादी को आरक्षण का लाभ मिलने लगा। कुलमिलाकर वाम दल हों या कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस, सबने अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में मुसलमानों को घुसाने का प्रयास किया है, जो कि विधि सम्मत नहीं है। इसलिए ही न्यायालय ने ममता सरकार की व्यवस्था को अवैध बताया है। जो भी राजनीतिक दल संविधान से छेड़छाड़ करके अपनी सांप्रदायिक राजनीति को चलाना चाहते हैं, न्यायालय का यह निर्णय उनके लिए सबक है।

मुस्लिम आरक्षण पर मचे हो-हल्ला के बीच न्यायालय से एक बहुत महत्वपूर्ण निर्णय आया है। उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी की सरकार को झटका देते हुए उन्हें द्वारा 2011 से जारी अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाण पत्रों को अमान्य करार दिया है। न्यायालय के निर्णय पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जिस प्रकार की प्रतिक्रिया दी है, वह किसी भी प्रकार से उचित नहीं कही जा सकती। एक प्रकार से उन्होंने संवैधानिक पद पर बैठकर न्यायालय की अवमानना की है। कोई मुख्यमंत्री यह कैसे कह सकता है कि वह न्यायालय के निर्णय को नहीं मानेगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यहाँ तक कह दिया है कि न्यायालय का यह निर्णय भाजपा का निर्णय लगता है। ममता बनर्जी को न्यायालय के आदेश से इसलिए चिढ़ हो रही है क्योंकि इससे उनके वोटबैंक को भारी नुकसान हो सकता है। दरअसल, ममता बनर्जी सरकार ने मुस्लिम समुदाय को साधने के लिए बड़ी संख्या में मुसलमानों को भी पिछड़ा वर्ग में शामिल करके उनके प्रमाण-पत्र जारी किए थे। कांग्रेस की सरकारों ने भी यह कारनामा किया है, जिस पर आजकर भाजपा हमलावर है। धर्म के आधार पर आरक्षण देना, वास्तव में संविधान विरोधी कृत्य है। हमारे संविधान में कहीं भी आरक्षण के लिए धर्म को आधार नहीं बनाया गया है। हिन्दू धर्म के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

जल-संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं

जल-संकट चुनाव जीतने का नहीं, समाधान का माध्यम बने

ललित गर्ग

भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे-जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर ज़िले महर-खुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है।

देश के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे-जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर ज़िले महर-खुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है, उससे उनकी कथनी और करनी की असमानता ही बार-बार उजागर होती है। जल-संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल-संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो-चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर-खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं। भारत के गांवों में रहने वाले करीब 20 करोड़ परिवारों के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल-संकट एक बड़ी समस्या बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल-संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं?

हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले? सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। राजस्थान में जल-संकट की संभावनाओं को देखते हुए आम नागरिक खुद के स्तर पर व्यापक प्रयत्न करता है। रेगिस्तान से जुड़े अनेक गांवों एवं शहरों में बने या बनने वाले मकानों में कुआ जरूर होता है, जहां बरसात के पानी को एकत्र किया जाता है, जो संकट के समय काम आता है। इसलिये गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि एवं जल-संकट का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह, वाटर-पार्कों एवं होटलों में पानी के अपव्यय को रोकने के लिये जन-चेतना जागृत करने की अपेक्षा है। हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली के साथ-साथ जल-संरक्षण का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे जल-संकट से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। सरकार व समाज मिलकर जल-संकट का मुकाबला कर सकते हैं। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही रेखांकित किया कि सभी राज्यों को मिलकर काम करना होगा तथा जल संरक्षण एवं उपयोग किये गये पानी को फिर से इस्तेमाल में लाने के उपाय करने होंगे। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जाएगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगों के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा। स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा जुटाए डाटा में दर्शाया गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में 120वें पायदान पर है। नीति आयोग ने कहा है, 'अभी 60 करोड़ भारतीय गंभीर से गंभीरतम जल संकट का सामना कर रहे हैं और दो लाख लोग स्वच्छ पानी तक पर्याप्त पहुंच न होने के चलते हर साल अपनी जान गंवा देते हैं।' इन जटिल एवं विकराल स्थितियों एवं डरावने तथ्यों के बावजूद हम पानी का इस्तेमाल करते हुए पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है।

दृष्टि कोण

बढ़ते तापमान का नया संकट 'ऊष्मा-द्वीप'

श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार तेज गर्मी या प्रलय आने पर सांवर्तक सूर्य अपनी प्रचंड किरणों से पृथ्वी, प्राणी के शरीर, समुद्र और जल के अन्य स्रोतों से रस यानी नमी खींचकर सोख लेता है। नतीजतन उम्मीद से ज्यादा तापमान बढ़ता है, जो गर्म हवाएं चलने का कारण बनता है। यही हवाएं लू कहलाती हैं। परंतु अब यही हवाएं देश के पचास से ज्यादा शहरों को 'ऊष्मा-द्वीप' (हीट आइलैंड) में बदल रही हैं। राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश और मध्यप्रदेश में पारा 43 से 47 डिग्री के बीच बना हुआ है। राजस्थान के बाड़मेर में दिन का तापमान 48 डिग्री और हिमालय की शीतल घाटी कश्मीर में गरम हवाओं के चलते तापमान 34 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ और दिन यही तापमान बने रहने की घोषणा कर दी है। आमतौर से गरम हवाएं तीन से आठ दिन चलती हैं और एक-दो दिन में बारिश हो जाने से तीन-चार दिन राहत रहती थी, लेकिन इस बार गरम हवाएं चलने की निरंतरता बनी हुई है। जिसने कई शहरों को ऊष्मा-द्वीप में बदलकर रहने लायक नहीं रहने दिया है। इसके प्रमुख कारणों में शहरीकरण का बढ़ना और हरियाली का क्षेत्र घटना माना जा रहा है। ज्यादातर उष्मा-द्वीप घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में आमद दर्ज करा रहे हैं। ऐसे इलाकों में बाहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक तापमान का सामना करना पड़ता है। ऊंची इमारतें, सीसी

की सड़के, पैदलपथ और अन्य बुनियादी ढांचागत विकास इसके लिए दोषी हैं। यह विकास जल निकायों जैसे प्राकृतिक परिदृष्यों की तुलना में सूर्य की गर्मी को अधिक अवशोशित कर, फिर इस गर्मी का उत्सर्जन करते हैं। ऐसे में हरियाली कम होने के कारण ये उच्च ताप वाले क्षेत्र उष्मा-द्वीप में परिवर्तित हो जाते हैं। इन क्षेत्रों में दिन का तापमान लगभग 1-7 डिग्री और रात्रि का तापमान लगभग 2-5 डिग्री तक बढ़ जाता है। इस तापमान के बढ़ने के कारणों में कारों और अन्य वाहनों का दिन-रात आग उगलते रहना भी माना जा रहा है। एसी और फ्रिज भी निरंतर कार्बनडाइ ऑक्साइड उगल रहे हैं। वैसे सामान्य स्थिति में द्वीप का अर्थ समुद्री या नदी-घाटियों में पानी से घिरे उस ऊंचे स्थल से लिया जाता है, जिसके चारों ओर जल भरा होता है। लेकिन अब उष्मा-द्वीप वह शहरी इलाके कहलाने लगे हैं, जो बड़े तापमान से झुलझ रहे हैं। सीएसई ने देश में अलग-अलग जलवायु वाले नौ शहरों के अध्ययन में पाया कि जयपुर जैसे शहर में ज्यादा तापमान वाले दिनों में शहर का 99.52 प्रतिशत हिस्सा गर्म हवाओं के केंद्र में आकर ऊष्मा-द्वीप बन जाता है। सतत आवास कार्यक्रम (सस्टेनेबल हैबिटैट प्रोग्राम) के निदेशक रजनी सरीन का कहना है कि हीट सेंटर उस क्षेत्र को कहते हैं जहां जमीनी सतह का तापमान (एलएसटी) छह साल या उससे अधिक समय में बार-बार मैदानी इलाकों में 45 डिग्री से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। महानगरों में हरियाली और जल-संरचनाओं का क्षेत्र कम होने से हीट सेंटर का विस्तार हो रहा है। खासतौर से शहरों में जो तत्व हरियाली और अद्रता बनाए रखते थे, जिनमें तालाब, नदी-झीलें शामिल हैं का अस्तित्व सिमटता जा रहा है। यह जलभराव गर्मी से बचाव करता था। इनके सिमटने से शहरों में और शहरों के आस-पास बंजर भूमि और ईंट, सीमेंट, कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। जो गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं। सीएसई ने नागपुर, अहमदाबाद, चेन्नई, पुणे, जयपुर, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और भुवनेश्वर में यह सर्वेक्षण किया है। लेकिन जिन शहरों में इस नजरिए से सर्वे नहीं हो पाया है, वे भी ऐसे ही हालातों के शिकार हो सकते है ? मानव निर्मित प्रदूषण से जुड़ी इस आपदा के कारणों में आधुनिक विकास और बढ़ता शहरीकरण है। इन्हीं कारणों से हवाएं आवारा होकर लू का रूप लेने लगी हैं। लेकिन हवाएं भी भला आवारा होती हैं ? वे तेज ,गर्म व प्रचंड होती हैं। जब प्रचंड से प्रचंडतम होती हैं तो अपने प्रवाह में समुद्री तूफान और आंधी बन जाती हैं। सुनामी जैसे तूफान इन्हीं आवारा हवाओं के दुष्परिणाम हैं। अमेरिका के नेषनल ओसियानिक एंड एटमॉसफेरिक एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट के अनुसार भारत ही नहीं दक्षिण एशिया के कई देश गरम हवाओं से जूझ रहे हैं। इन देशों में गरम हवाएं चलने की आशंका 45 गुना बढ़ गई है। इन देषों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार शामिल है। वियतनाम में तो हालात इतने बदतर हो गए हैं कि गर्मी की वजह से कई तालाब पूरी तरह सूख गए हैं और लाखों टन मछलियां मर गई हैं। सरकार ने लोगों को घरों में रहने की हिदायत दी है। पश्चिम एशिया के देश सीरिया, इजराइल, फिलिस्तीन, जॉर्डन और लैबनान में गरम हवाएं पांच गुना बढ़ सकती हैं। एशिया में घातक गरम हवाएं लगातार चलने का यह तीसरा वर्ष है। इसकी एक वजह अलनीनो भी मानी जा रही है। प्रशांत महासागर से आने वाली गरम हवाओं की वजह से दुनिया में गरम हवाएं चल रही हैं। अभी हाल ही में अमेरिका के आयोबा राज्य में गरम हवाओं के तूफान से ग्रीन फील्ड नगर में कई मौतें हो गई हैं। इस बवंडर ने शहर के एक बहुत बड़े हिस्सों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। आजकल आवारा पूंजी की तरह हवाएं भी आवारा होकर भारत के एक बड़े भू-भाग में मचल रही हैं।

कुछ अलग

साख पर सवाल

निश्चित रूप से भारतीय चुनाव आयोग ने पहले चुनाव से लेकर 18वीं लोकसभा के चुनाव संपन्न कराने में एक लंबा सफर तय किया है। लेकिन स्थितियां बहुत तेजी से बदली हैं। पहले चुनाव में महज 17 करोड़ मतदाता थे। अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मौजूदा आम चुनाव में 97 करोड़ मतदाता हैं। इस दौरान पार्टियों की संख्या बढ़ी है, वोटर बढ़े हैं, पोलिंग बूथ बढ़े हैं, पार्टियों के बीच लड़ाइयां तल्ख हुई हैं और चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतें भी तेज हुई हैं। पहले चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन से लेकर टीएन शेषन जैसे सख्त चुनाव आयुक्तों तक ने आयोग को नई प्रतिष्ठा दी है। लेकिन इस बार 543 संसदीय सीटों के लिये सात चरणों में हो रहे मतदान में कई प्रसंग ऐसे घटे कि लोगों ने चुनाव आयोग की साख पर उंगली उठाई। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। जिसमें चुनाव आयोग पर मतदान संबंधी अंतिम आंकड़े देर से जारी करने तथा प्रतिशत वृद्धि का मामला उठाया गया। एडीआर व कॉमन कॉज की ओर से दायर याचिका में बूथों पर मतों की संख्या संबंधी फॉर्म 17-सी की स्कैन कापी आयोग की वेबसाइट पर डालने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में आयोग ने इस मांग को अव्यावहारिक बताया है। साथ ही कहा कि चुनाव की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया के बाद पूरी होती है, ऐसा करने से व्यवधान उत्पन्न होगा। इससे पहले विपक्ष सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप भी लगाता रहा है। जबकि आयोग की दलील रही है कि इन्फोर्समेंट एजेंसी उसके अधीन नहीं होती। विपक्ष आयोग को तटस्थ भाव से कार्रवाई करने को कहता रहा है। विपक्ष ने प्रधानमंत्री द्वारा बांसवाड़ा में दिए गए भाषण में इस्तेमाल जुमलों को संप्रदाय विशेष के विरुद्ध टिप्पणी बताया और आयोग से शिकायत की। आरोप है कि आयोग ने सत्तारूढ़ दल के खिलाफ उदार रवैया दिखाया। प्रधानमंत्री को नोटिस दिए जाने के बजाय भाजपा अध्यक्ष को नोटिस जारी किया। ऐसे ही संविधान पर दिए गए राहुल गांधी के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष को नसीहत दी गई। दरअसल, विपक्ष मांग करता रहा है कि मतदान के बाद वोटों का प्रतिशत जारी करने के बजाय डाले गए वोटों की संख्या जारी की जानी चाहिए। दरअसल, विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि आयोग सत्तारूढ़ दल के प्रति उदार रवैया अपनाता रहा है। जिसके चलते विपक्ष ने आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का प्रयास किया। उनका कहना है कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष अंपायर की भूमिका में नजर आना चाहिए। विपक्ष बांसवाड़ा रैली में प्रधानमंत्री के भाषण पर सख्त कार्रवाई की मांग करता रहा है। इसी तरह आरक्षण, संपत्ति जब्त करने आदि कई विवादित बयान सामने आए। तल्ख टिप्पणियां कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भी की गई थी। विपक्ष कहता है कि इन टिप्पणियों पर आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि, कई पूर्व चुनाव आयुक्त मानते हैं कि यह पहला मौका नहीं जब विपक्ष आयोग पर सवाल उठा रहा है। जैसे-जैसे राजनीतिक दलों में तल्खी बढ़ती है, बीच में आयोग को शामिल कर लिया जाता है। वहीं कुछ गैर सरकारी संगठनों ने मुहिम चलायी कि 'चुनाव आयुक्त दृढ़ता दिखाएं या इस्तीफा दें।' उनका मानना रहा है कि आचार संहिता के उल्लंघन के दौरान आयोग सक्रिय नहीं हुआ। कुछ पूर्व चुनाव आयुक्त कहते हैं कि मतदान के बाद दूर-दराज के इलाके से मतदान के अंतिम आंकड़े आने में वक्त लगता है। इसलिए अंतिम आंकड़े अगले दिन जारी किये जाते हैं। वहीं चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष के एक सवाल के जवाब में कहा कि इस बाबत समस्त सूचना वोटर टर्नआउट ऐप पर मौजूद है। आयोग का तर्क है कि वोटर टर्न आउट हर केंद्र पर वैधानिक फॉर्म 17-सी पर पीठासीन अधिकारी तैयार करते हैं व उम्मीदवार के मतदान एजेंट उस पर हस्ताक्षर करते हैं।

देश दुनीया से

लोकमंगल के संचारक देवर्षि नारद को आदि गुरु मानने से बढ़ेगा गौरव

नुकीले पत्थरों से जो कहानी शुरू हुई वह आगे बढ़ते-बढ़ते तीर-तलवार और उसके आगे बंदूकों-तोपों तक चली गई। फिर लड़ाकू जहाज और मिसाइलें। बात यहां तक ही नहीं ठहरी। अब यह अदृश्य लड़ाई में तब्दील हो चुकी है जिसमें शत्रु पास होते हुए भी कहीं दिखता नहीं। यह शत्रु देशी या विदेशी कोई भी हो सकता है। वह आप पर या आपके देश पर हमले करता है इंटरनेट या फोन के माध्यम से आपके पैसे चुराने की कोशिश करता है या बेशकीमती सूचनाएं। यही है साइबर हमला और सारी दुनिया के देश इससे परेशान हैं। लेकिन भारत की बात ही अलग है। पिछले दस वर्षों में देश का डिजिटलीकरण बहुत तेजी से हुआ और यह लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया।

आदिकाल से मनुष्य का स्वभाव रहा है- लड़ना और नये शस्त्रों का आविष्कार करना। नुकीले पत्थरों से जो कहानी शुरू हुई वह आगे बढ़ते-बढ़ते तीर-तलवार और उसके आगे बंदूकों-तोपों तक चली गई। फिर लड़ाकू जहाज और मिसाइलें। बात यहां तक ही नहीं ठहरी। अब यह अदृश्य लड़ाई में तब्दील हो चुकी है जिसमें शत्रु पास होते हुए भी कहीं दिखता नहीं। यह शत्रु देशी या विदेशी कोई भी हो सकता है। वह आप पर या आपके देश पर हमले करता है इंटरनेट या फोन के माध्यम से आपके पैसे चुराने की कोशिश करता है या बेशकीमती सूचनाएं। यही है साइबर हमला और सारी दुनिया के देश इससे परेशान हैं। लेकिन भारत की बात ही अलग है। पिछले दस वर्षों में देश का डिजिटलीकरण बहुत तेजी से हुआ और यह लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया। लेकिन उसके सामने साइबर अपराधी भी चुनौती बनकर खड़े हो गये हैं जिनका लगातार सफाया हो रहा है। देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं से सूचनाएं चुराने की पुरजोर कोशिशें हो रही हैं, उन्हें नष्ट करने की भी साजिश ऑनलाइन हो रही है। लोगों से डरा-धमका कर उनकी गाढ़ी कमाई निकलवाने की कोशिशें हो रही हैं। यह सब दूर-दराज से सिर्फ इंटरनेट, स्मार्टफोन या ऐसे ही माध्यमों से हो रहा है। साइबर ठगी तो इसका छोटा-सा उदाहरण है। बड़े शातिर साइबर हमलावर तो देश की वित्तीय संस्थाओं और प्रणालियों पर भी हमला करते रहते हैं। जी-20 के दौरान तो भारतीय प्रतिष्ठानों और जी-20 आयोजन संबंधी दफ्तरों पर लाखों हमले हुए। इस दौरान हर 60 सेकेंड में 16 लाख साइबर अटैक हुए थे। लेकिन केंद्रीय एजेंसियों ने अपनी त्वरित व कुशल कार्रवाई के जरिये साइबर अपराधियों को उनके मंसूबों में कामयाब नहीं होने दिया। छोटे स्तर पर तो ये कुछ हद तक कामयाब हो गये लेकिन उन पर शिकंजा कसता जा रहा है। देश में साइबर हमलों को खत्म करने की जिम्मेदारी केन्द्रीय गृह मंत्रालय की है। प्रधानमंत्री तथा केन्द्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में एक साइबर तथा इन्फॉरमेशन सिक्योरिटी डिवीजन साइबर सेफ इंडिया के लिए काम कर रहा है। गृह मंत्रालय ने तीन नये कानून भी बनवाये जो साइबर अपराध रोकथाम में सहायक होंगे। इनमें इलेक्ट्रॉनिक एफआईआर की व्यवस्था के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणों को सबूत के तौर पर मानने का प्रावधान भी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय में साइबर क्राइम से निपटने के लिए स्थापित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने अब तक उल्लेखनीय कार्य किया है। विदेशों से हमले करने वाले साइबर अपराधी बेहद चतुर एवं अति आधुनिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस होते हैं। वे हमला करते हैं और हमारे देश के महत्वपूर्ण संस्थानों के वेबसाइटों तथा संचार व्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश करते हैं या वहां से सूचनाएं चुराने का प्रयास करते हैं। हमारे कई बड़े संस्थानों पर ऐसे हमले हो चुके हैं लेकिन ज्यादातर निष्फल हुए हैं। ऐसे हमले चीन, पाकिस्तान से तो होते ही हैं, तुर्की और अमेरिका-कनाडा से भी होते हैं। लेकिन हमारी एजेंसियां चाकचौबंद रहती हैं और हमले निष्फल करती जाती हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने पूरे भारत में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और लगभग 5 लाख शिकायतों का निपटारा किया है। यह केन्द्र विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों और हितधारकों में समन्वय स्थापना के अलावा साइबर अपराध से निपटने के लिए देश के भीतर क्षमता निर्माण करने का भी प्रयास कर रहा है। इसने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के लॉन्चिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसका उपयोग पहले से ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 31 लाख से अधिक साइबर अपराध शिकायतों, 66,000 एफआईआर के साथ 14 करोड़ बार किया जा चुका है। राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला (एनसीएफएल) साइबर घटनाओं से संबंधित जांच में सहायता करती है। चूंकि, ऐसे अपराध राज्य की सीमाओं से परे होते हैं, इसलिए आई4सी ने बेहतर अंतर-राज्य समन्वय के लिए संयुक्त साइबर अपराध समन्वय दल यानी जेसीसीटीएस की स्थापना की है। 'साइबर दोस्त' नामक एक सोशल मीडिया हैंडल भी संचालित किया जा रहा है, जो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा से जुड़े टिप्स मुहैया कराता है। गृह मंत्रालय द्वारा 'साइबर जागृति दिवस' नामक एक पहल भी की जा रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने जी-20 के दौरान गुरुग्राम में 'एनएफटी, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा' विषय पर जी-20 सम्मेलन के दौरान भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों से साइबर स्वयंसेवक दस्ते को हरी झंडी दिखाई थी। डिजिटल रूप से सुरक्षित भारत की जरूरत बन चुका आई4सी पहल विकसित भारत के आह्वान को मज़बूती प्रदान करता है। भविष्य में बड़े पैमाने पर डिजिटल दुनिया में होने वाले अपराधों को रोकने, कम करने और उन पर निगरानी रखने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की देखरेख में एक राष्ट्रव्यापी साइबर अपराध रोकथाम तंत्र कार्यरत है। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन इसके मार्ग में साइबर अपराधी खड़े हैं। कई देश नहीं चाहते कि भारत इतनी तरक्की करे और इसके लिए वे साइबर हमलों का सहारा लेते हैं ताकि उनकी पहचान छुपी रहे लेकिन हमारी एजेंसियां भी इतनी चुस्त-दुरुस्त हैं कि वे पकड़ ही लेती हैं कि हमला कहां से हो रहा है या इसके पीछे कौन से तत्व हैं। हमलावर भी चुप बैठने वाले नहीं और उन पर हमारी ओर से भी जवाबी हमले किये जाते हैं ताकि उनकी कमर टूटे।

आप का नजरीया

अग्निपथ की तपिश

हालांकि मोदी सरकार अग्निपथ योजना को सशस्त्र बलों की गेम-चेंजर और युवा शक्ति के जरिये सेना की ताकत बढ़ाने वाली बताती रही है, लेकिन इस योजना के दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर सवाल गाहे-बगाहे उठते रहे हैं। यद्यपि जून 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना फिलहाल गहन विभागीय जांच के अधीन है, लेकिन विशेषकर, विपक्ष को यह मुद्दा आम चुनाव के दौरान रास आ रहा है। जिन इलाकों से ज्यादा युवा सेना में जाते रहे हैं उन इलाकों में कांग्रेस ने सरकार पर तीखे हमले इस योजना को लेकर किये हैं। दरअसल, इस योजना के अंतर्गत सिर्फ पच्चीस फीसदी अग्निवीरों की सेवाओं को बरकरार रखने का प्रावधान है। यही वजह है कि चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर सेवा से बाहर होने वाले अग्निवीरों का मुद्दा राजनीतिक हलकों में विवादास्पद रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस ने अपने आम चुनाव 2024 के घोषणापत्र में वायदा किया है कि वह सत्ता में आई तो इस योजना को खत्म कर देगी। साथ ही सेना, नौसेना व वायुसेना द्वारा अपनाई जाने वाली पुरानी भर्ती प्रक्रिया को पुनः लागू करेगी। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहा था कि सरकार आवश्यकता पड़ने पर योजना में कोई भी बदलाव लाने को लिये तैयार है। इस बयान के कुछ सप्ताह बाद एक प्रमुख समाचार पत्र ने खबर दी है कि सेना भर्ती प्रक्रिया में अग्निवीर योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिये एक आंतरिक सर्वेक्षण कर रही है। यह भी कि अग्निवीरों, यूनिट कमांडरों और रेजिमेंटल केंद्रों के कर्मचारियों की राय मांगी जा रही है। फिर सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर सेना संभावित बदलावों के लिये अगली सरकार को सिफारिशें कर सकती है। हालांकि केंद्र सरकार आश्वासन देती रही है कि अग्निवीरों के रूप में शामिल किये गए युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्हें सरकारी व निजी क्षेत्रों में समायोजित करने में वरीयता देने तथा स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने की भी बात होती रही है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सरकार का ये वायदा 75 फीसदी रंगरूटों की नौकरी की संभावनाओं के बारे में आशंकाओं को दूर करने में विफल रहा है। कहा जा रहा है कि सेवा समाप्ति के बाद इन सेवानिवृत्त अग्निवीरों की रोजगार सुरक्षा दांव पर होगी। यही वजह है कि विपक्षी राजनीतिक दल, खासकर कांग्रेस इस नाराजगी का फायदा उठा रही है। पार्टी ने हरियाणा में इसे चुनावी मुद्दा बनाने की भरसक कोशिश की है। निस्संदेह, मौजूदा परिदृश्य में अग्निपथ की गहन समीक्षा आवश्यक है। सैनिकों की कार्यशील आयु कम कर एक सैन्य बल तैयार करने के मकसद को लेकर कोई किंतु-परंतु नहीं है। लेकिन इस योजना के दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में व्यापक बेरोजगारी व अल्प रोजगार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए निराश युवाओं के पुनर्वास के लिये सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में समायोजन के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। यद्यपि यह भी हकीकत है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीति का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।

माफिया मिट्टी में मिले तो यूपी में आने लगा लाखों करोड़ का निवेश : योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने मोहम्मदाबाद में बलिया लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को किया संबोधित

गाजीपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी से माफिया का सफाया करने के बाद अब प्रदेश में भारी पैमाने पर निवेश आ रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में बड़े स्तर पर निवेश हो रहा है, जिसके बाद यहां फैक्ट्रियां लगेंगी और नौजवानों को यहीं पर नौकरी भी मिलेगी। योगी ने सपा पर प्रहार करते हुए कहा कि इन लोगों ने गरीबों के बेटों को मारने का संकल्प लिया था, तो हमने भी माफिया को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया और आज माफिया मिट्टी में मिल चुके हैं। योगी आदित्यनाथ सोमवार को मोहम्मदाबाद में बलिया लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी नीरज शेखर के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद हम मथुरा जाने की तैयारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारियों की पावन धरा को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि मोहम्मदाबाद क्षेत्र के लिए स्वर्गीय कृष्णानंद राय के बहुत से सपने थे। यहां के विकास को लेकर वह अत्यंत चिंतित रहते थे और लगातार प्रयास करते थे। मगर, जब भी कृष्णानंद राय जैसा कोई जनप्रतिनिधि विकास के लिए कोई प्रयास करता था, सपा के लोग ऐसे नेताओं

को माफियाओं की भेंट चढ़ा देते थे। इन लोगों ने स्वर्गीय कृष्णानंद राय की हत्या पर संवेदना व्यक्त करने की जगह हत्यारों को संरक्षण दिया। आज माफिया के मरने पर मातम मनाने आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृष्णानंद राय के साथ ही श्याम शंकर राय, रमेश राय, रमेश पटेल, मुन्ना यादव सहित अन्य लोगों को बर्बरता के साथ मारा गया था। तब प्रदेश में सपा और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। ये दोनों जब भी मिलते हैं तब अनर्थ होता है। हमें फिर से कोई अनर्थ नहीं होने देना है। सीएम योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस को ये बताना चाहिए कि मुन्ना यादव, रमेश पटेल जिनकी मुख्तार जैसे माफिया ने हत्या की थी, क्या वो पिछड़ी जाति के नहीं थे। प्रयागराज में पूजा पाल के पति राजू पाल और जया पाल के पति उमेश पाल क्या पिछड़ी जाति के नहीं थे। उनका संकल्प भाजपा के जनप्रतिनिधियों को, गरीब के बेटों को मारने का था तो हमारा भी संकल्प था कि माफिया को मिट्टी में मिला कर रहेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें गौरव की अनुभूति होनी चाहिए कि आज हम एक ऐसे माहौल में जी रहे हैं, जिसकी कल्पना देश के प्रथम स्वातंत्र्य सेनानी मंगल पांडेय, चित्तू पांडेय ने की थी। विकास की जो तड़प पूर्व पीएम चंद्रशेखर में थी और मोहम्मदाबाद के विकास के लिए चिंतित रहने वाले कृष्णानंद राय के सपनों को साकार करने का प्रयास मोदी कर रहे हैं। आज पूरे देश में जहां कहीं भी हम जाते हैं, लोगों के मन में एक ही भाव और संकल्प है। जनता कह रही है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार चार सौ पार। ये सुनकर सपा को चक्कर आने लगता है। क्योंकि ये 60-62 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। इन लोगों ने यादवों को भी टिकट दिया तो केवल अपने परिवार वालों को। सीएम ने कहा कि उन्होंने निरहुआ को मुम्बई से लाकर आजमगढ़ की जिम्मेदारी दी। उनके सांसद बनने के बाद आजमगढ़ में एयरपोर्ट, विश्वविद्यालय, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और संगीत महाविद्यालय बन गया। अच्छे लोग चुनकर आते हैं तो विकास भी अच्छा होता है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री दया शंकर सिंह, सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ पियूष राय, एमएलसी विशाल सिंह चंचल, मार्कंडेय शाही, मुन्ना राय, विजय शंकर, उपेन्द्र तिवारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात बीएसएफ जवान की लू से हुई मौत

जैसलमेर (हिंस)। जैसलमेर में गर्मी जानलेवा बन चुकी है। जिले में इन दिनों बॉर्डर पर तापमान 55 डिग्री के पार पहुंचा हुआ है। भीषण गर्मी के चलते भारत-पाक सीमा पर तैनात एक बीएसएफ जवान की लू (हीट स्ट्रोक) से मौत हो गई। जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवान अजय कुमार (35) की हीट स्ट्रोक से मौत हो गई। वे सीमा चौकी भानु पर तैनात थे। इस दौरान भीषण गर्मी की वजह से उनकी तबीयत खराब हुई और मौत हो गई। उन्हें रामगढ़ चिकित्सालय लाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद रामगढ़ परिसर में ही जवान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान बीएसएफ अधिकारियों ने जवान को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जवान अजय कुमार 173वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल में तैनात थे। वे पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के सारू गांव के रहने वाले थे। रामगढ़ चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के बाद जवान के शव को सड़क मार्ग से रामगढ़ से जोधपुर के लिए रवाना किया गया, जहां से जवान के पैतृक गांव शव ले जाया गया। शाहगढ़ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवादा में शराब के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार, बुर्का पहन करती थी धंधा

नवादा (हिंस)। नवादा में मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने अंतर्राज्यीय सीमा पर स्थित रजौली चेकपोस्ट पर सोमवार को एक बस की तलाशी के दौरान एक महिला तस्कर को विदेशी शराब व बीयर के साथ गिरफ्तार किया है। उत्पाद टीम को महिला तस्कर गिरोह द्वारा बस से शरब की तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर अधीक्षक मद्य निषेध अरुण कुमार मिश्रा ने हर बस की सख्ती से तलाशी लेने का निर्देश दिया। इसी आलोक में जांच टीम ने झारखंड से आ रही श्री सियाराम रथ नामक बस जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 27 बी 4615 थाद्ध उसे जांच के लिए चेकपोस्ट पर रोका। सघन तलाशी के दौरान एक महिला को शराब की बैग के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार महिला तस्कर शराब की खेप लेकर कोडरमा से बिहारशरीफ जा रही थी। गिरफ्तार महिला रुबी खातून नालंदा जिले के बिहारशरीफ थाने के छज्जू मोहल्ले के मोहम्मद इरफान की पत्नी बताई जाती है। उसके पास से कुल 30 बोतल विदेशी शराब बरामद की गई। जिसमें रॉयल स्टैग व्हिस्की का 750 एमएल का 6 बोतल व गॉडफादर बीयर 500 एमएल का 24 बोतल शामिल हैं। इसकी कुल मात्रा 16.5 लीटर आंकी गई। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह कोडरमा से शराब लेकर बिहारशरीफ जा रही थी। बता दें स्थानीय पुलिस की ओर से लगातार शराब तस्करों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

पूर्णिया में दलाल गिरोह का भंडाफोड़, गिरफ्तार

पूर्णिया (हिंस)। पूर्णिया के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक दलाल गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। जिसके सदस्य झूठे दावों से मरीजों से धोखाधड़ी करते थे। एक दलाल आफताब आलम को गिरफ्तार किया गया है, जो खुद को गलत तरीके से *पप्पू यादव का आदमी* बताता था। घटना की जानकारी देते हुए पूर्णिया लाइन बाजार की निवासी अकबरी बेगम ने बताया कि आफताब ने झूठा दावा किया कि वह अपराधी गिरोह *पप्पू यादव* का आदमी है। उसने पहले 500 रुपए और फिर ब्लड जांच के लिए 1000 रुपए मांगे। इस पर शक होने पर पता चला कि वह एक दलाल है। किशनगंज की रहने वाली रेहाना परवीन अपने भाई के हाथ के इलाज के लिए पूर्णिया आई थीं। जिसका हाथ ट्रेन से कट गया था। इसी दौरान आफताब ने खुद को अस्पताल का कर्मी बताकर पहले 50 रुपए और फिर ब्लड जांच के नाम पर 1000 रुपए मांगे।

राजनीति में उदासीनता लोकतंत्र के लिए खतरा : नड्डा

वाराणसी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में लक्सा स्थित मारवाड़ी भवन में काशी के प्रबुद्ध लोगों के साथ बैठक की। बैठक को संबोधित करते जेपी नड्डा ने कहा कि जब राजनीति में लोकमत उदासीन हो जाए, तो वो प्रजातंत्र के लिए खतरा बन जाता है। लेकिन 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी ने साधारण नागरिक में एक विश्वास पैदा किया। आज इस विश्वास के कारण ही हम विकसित भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां आपने दो पार्टियों की सरकार देखी है, जिन्होंने सबका मत लिया और बाद में एक जाति का बनके रह गईं। 10 साल पहले देश का नागरिक राजनीति के प्रति उदासीन हो चुका था, उसका विश्वास टूट चुका था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और अखिलेश यादव ने कहा कि भारत तो अनपढ़ है, यहां डिजिटल क्या करोगे, लेकिन मोदी भारत का सामर्थ्य जानते थे। आज यहां सब्जी बेचने वाला भी डिजिटल ट्रांजैक्शन कर रहा है। दुनिया का 40 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजैक्शन आज भारत में होता है। गांव, गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित, किसान, युवा, महिला मोदी के नेतृत्व में सबका सशक्तिकरण हुआ है। जेपी नड्डा ने कहा कि आज 2 लाख पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर बिछाया गया है। आज 2 लाख कॉमन सर्विस सेंटर चल रहे हैं। ये बदलते भारत के बदलते गांव है। आज दवाई मैन्युफैक्चरिंग में भारत दूसरे नंबर पर खड़ा है। सबसे सस्ती और असरदार दवाएं भारत बना रहा है। 126 प्रतिशत एक्सपोर्ट बढ़ गया है।

पानी की मांग को लेकर फिर टंकी पर चढ़े ग्रामीण

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर के लूणी क्षेत्र के उत्तेसर गांव में एक बार फिर पेयजल समस्या को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट गया। दो दिन बाद ही काफी संख्या में ग्रामीण सुसाइड की धमकी देते हुए गांव में बनी पानी की टंकी पर फिर से चढ़ गए। इसके बाद में गांव में सनसनी फैल गई और टंकी के नीचे काफी संख्या में लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने के बाद लूणी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और टंकी पर चढ़े ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की। बता दे कि पेयजल समस्या को लेकर शनिवार को भी एक युवक पेट्रोल की बोतल लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गया था जिसे समझाकर पुलिस ने नीचे उतारा था। उस समय पेयजल समस्या के निस्तारण का आश्वासन दिया था लेकिन पानी कोई व्यवस्था नहीं होने पर अब ग्रामीण फिर से टंकी पर चढ़ गए। ग्रामीणों ने बताया कि उत्तेसर में पीने के पानी की गंभीर समस्या है जिससे पूरे ग्रामवासी परेशान है।

इंडी गठबंधन को वोट देकर अपना मत खराब न करें : नीतीश

पटना/नालंदा (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गृह लोकसभा सीट के हिलसा में सोमवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन वालों को वोट देकर अपना मत खराब नहीं कीजिएगा। चुनाव के बाद फिर से घूमेंगे और जो भी कमी होगी उसे हर हाल में पूरा करेंगे। उन्होंने एनडीए समर्थित उम्मीदवार कौशलेंद्र कुमार को जिताने की अपील की। नीतीश ने कहा कि हम तो सिर्फ आपसे मिलने चले आए हैं ताकि कोई शिकायत ना रहे। हमने महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम किया है। हर क्षेत्र में काम किया है। चुनाव बाद हम सब जगह फिर से घूमेंगे और जहां कहीं भी कमी होगी उसे हर हाल में पूरा करेंगे। राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा कराते थे। हमने सब जगह झगड़ा को खत्म करा दिया। तब हमारे साथ भाजपा ही थी। हम तो 1995 से भाजपा के साथ हैं। बीच में दो बार हम राजद को साथ लिए थे लेकिन गड़बड़ किया तो हटा दिया। अब हमने तय किया है कि बाएं-दाएं नहीं होंगे, साथ रहेंगे। नीतीश ने कहा कि हमने सबके हित में काम किया है। वर्ष 2005 से लेकर 2020 तक हमने आठ लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी। वर्ष 2020 के बाद चार लाख नौकरी हो

गई है। अगले साल के चुनाव से पहले तक 10 लाख लोगों को नौकरी मिलेगी। पूरे इलाके में हम काम ही न किए हैं। जहां कहीं कमी है वो काम करेंगे। अगले साल विधानसभा चुनाव से पहले सभी काम पूरा करेंगे। पहले वाला लोग कोई काम करता था क्या? जनसभा में जदयू के पूर्व अध्यक्ष ललन सिंह भी मौजूद रहे। मंत्री श्रवण कुमार ने सीएम का मंच पर स्वागत किया। जदयू उम्मीदवार कौशलेंद्र कुमार सीएम की अगवानी करने पहुंचे और मंच पर उन्हें साथ लेकर पहुंचे।

चार जून को भाजपा व एनडीए की विजय सुनिश्चित : अमित शाह

कुशीनगर (हिंस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुशीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 4 जून को मोदी की, भाजपा की व एनडीए की विजय सुनिश्चित है। 4 जून की दोपहर को आप देख लेना कि राहुल बाबा के लोग प्रेस कांफ्रेंस करेंगे और कहेंगे कि ईवीएम के कारण हम चुनाव हारे हैं। हार का ठीकरा भी खरगे साहब पर फूटेगा। कुशीनगर के उदित नारायण डिग्री कॉलेज में सोमवार को विजय दुबे के समर्थन में आयोजित जनसभा में अमित शाह ने कहा कि 4 जून को राहुल बाबा की पार्टी 40 भी पार नहीं कर पाएगी और अखिलेश बाबू 4 भी पार नहीं कर पाएंगे। देश की जनता ने तय किया है कि अगले 5 साल नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे। छह चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। मेरे पास 5 चरण का आंकड़ा है।

5 चरण में मोदी जी 310 सीटें पार कर चुके हैं। छठा चरण हो चुका है, सातवां होने वाला है, जिसमें आप लोगों को 400 पार कराना है। गृहमंत्री ने कहा कि घमंडिया गठबंधन के लोग झूठ के आधार पर जीने वाले लोग हैं। इन्होंने कहा है कि हम मुस्लिम आरक्षण देंगे। अगर गलती से भी ये जीत गए, तो पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित का आरक्षण छीनकर ये मुसलमानों को देने का काम करेंगे। इन्होंने कर्नाटक और हैदराबाद में जो किया है, बंगाल में भी वही किया था, लेकिन वहां (बंगाल) हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। मुस्लिम आरक्षण संविधान के अनुरूप नहीं है। अपने वोटबैंक को खुश करने के लिए ये मुस्लिम आरक्षण की बात करते हैं। जिसका सीधा खामियाजा पिछड़े वर्ग को भुगतना पड़ेगा। अमित शाह ने कहा कि ये चुनाव कारसेवकों पर गोली चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों के बीच है। वो समाजवादी पार्टी की ही सरकार थी, जिसने कारसेवकों पर गोली चलाई थी। सपा बसपा पर निशाना साधते हुए गृहमंत्री ने कहा कि मैं आज बहन मायावती और अखिलेश यादव से पूछना चाहता हूं कि कुशीनगर *चीनी का कटोरा* नाम से प्रसिद्ध था, लेकिन आपके समय में 5-6 चीनी मिलें बंद हुईं। जबकि हमारी सरकार के समय में 20 चीनी मिलों को फिर से चालू करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि 38 चीनी मिलों की क्षमता में वृद्धि करने का काम योगी आदित्यनाथ की सरकार ने किया है। गन्ने की बुवाई का क्षेत्रफल भी 9 लाख हेक्टेयर बढ़ा है। 1995 से 2017 तक सपा-बसपा ने गन्ना किसानों को सिर्फ 23 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया था, जबकि 2017 से 2024 तक 2 लाख 50 हजार करोड़ रुपए का भुगतान भाजपा की सरकार ने किया है। अमित शाह ने विजय दुबे को कमल के सामने वाला बटन दबाकर भारी बहुमत से जिताने की अपील की।

महिला सहित दो लोगों ने जम्मू रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन करके श्री शक्ति एक्सप्रेस ट्रेन को रोका

जम्मू (हिंस)। एक महिला सहित दो लोगों ने सोमवार को जम्मू रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन करके श्री शक्ति एक्सप्रेस ट्रेन को कुछ देर के लिए रोक दिया। विरोध प्रदर्शन ट्रेनों के रद्द होने और ट्रेनों के शेड्यूल के बारे में समय पर जानकारी नहीं मिलने से निराशा के कारण शुरू हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को जब श्री शक्ति एक्सप्रेस नई दिल्ली से जम्मू रेलवे स्टेशन पर आ रही थी तो एक युवक और उसकी महिला रिश्तेदार पटरियों पर बैठ गए। इसी दौरान ट्रैक नंबर एक पर स्टेशन के प्रवेश द्वार पर ट्रेन को कुछ देर के लिए रोका गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कुछ ही देर बाद दोनों को हिरासत में ले लिया और ट्रेन ने थो?ी देर रुकने के बाद अपनी यात्रा फिर से शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों के एक रिश्तेदार ने उनकी इस कार्रवाई को बेहद हताशा का परिणाम बताया और स्वीकार किया कि यह एक गलत कदम था। उसने कहा कि हम जम्मू-कश्मीर का दौरा कर रहे हैं और ट्रेन रद्द होने के कारण कई दिनों से इस भीषण गर्मी के बीच यहीं फंसे हुए हैं। हमने बार-बार रेलवे से अपनी यात्रा के बारे में अपडेट मांगा लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। अधिकारियों ने बताया कि दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। उल्लेखनीय है कि अंबाला में किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण लगभग दो सप्ताह से सेवाएं बाधित होने के कारण ट्रेनों को रद्द किए जाने के बीच जम्मू रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की प्रतीक्षा कर रहे सैकड़ों यात्रियों की भीड़ बनी हुई है।

डीजे संदीप हत्याकांड का मुख्य आरोपी बिहार के गया से गिरफ्तार, हथियार बरामद

रांची (हिंस)। शहर के चुटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एक्सट्रीम स्पोर्ट्स बार में रविवार रात डीजे संदीप की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह उर्फ विक्की सिंह को बिहार के गया से गिरफ्तार किया है। उसके पास से हथियार और गोलियां बरामद की गई हैं। अभिषेक के पास दो लाइंससी हथियार है। उसका लाइसेंस असम के टेबू का है। अभिषेक रांची के सेल सिटी स्थित ई-नाइन/टू फ्लैट में रहता था। पुलिस उसके फ्लैट पर पहुंची तो ताला बंद था। पुलिस ने ताला तोड़कर पूरे घर की तलाशी ली है। घर से कई बैंक खातों के पासबुक, वाहन के कागजात सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। इसकी पुष्टि एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सोमवार को की है। पुलिस ने सफेद रंग की ब्रेजा कार भी बरामद की है। इस कार पर (जेएच 01 डीएल-2400) वाला फर्जी नंबर प्लेट लगा हुआ था। बताया जा रहा है कि हत्या के बाद भागते वक्त आरोपी की गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ था। सुबह करीब पांच बजे क्रेन की मदद से कार को गैरेज में पहुंचाया गया। यह कार कचहरी चौक के पास एक गैराज से बरामद हुई है। कार से चार कारतूस भी बरामद हुआ है। पुलिस ने बार का एफएसएल टीम से जांच कराया है। साथ ही एक टीम को अभिषेक के लोकेशन के आधार पर तकनीकी शखा के सहयोग से बिहार के गया भेजा है, जहां से उसकी गिरफ्तारी हुई। पुलिस टीम आरोपी को लेकर वहां से निकल गई है। उल्लेखनीय है कि रांची के चुटिया स्थित एक्सट्रीम स्पोर्ट्स बार में रविवार रात एक बजकर 18 मिनट पर डीजे संदीप प्रमाणिक उर्फ सैंडी की रायफल से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

देश के गरीब और गरीब होते जा रहे, अमीर और अमीर : राहुल गांधी

पटना (हिंस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को बिहार के आरा, पाटलीपुत्र और पटना साहिब में आईएनडीआई गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि देश में सेना के लिए दो तरह की नौकरी हमारी सरकार में नहीं रहेगी। हमारी सरकार बनते ही 20 लाख युवाओं को नौकरी तुरंत दी जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ इधर-उधर की बातें करेंगे लेकिन मजदूरों के मुद्दों की बात नहीं करेंगे। देश के गरीब और गरीब होते जा रहे हैं, अमीर और अमीर। देश में सिर्फ 25 से 30 लोग ही अमीर हैं, बाकी करोड़ों लोग गरीबी में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना लाकर युवाओं के

भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। जातीय जनगणना पीएम मोदी ने नहीं करवाया। हमने जातीय गणना कराने की मांग की तो मोदी चुप हो गए। कहने लगे कि देश में कोई जाति ही नहीं है। केवल अमीर और गरीब दो ही जातियां हैं। राहुल ने सवाल किया कि यदि देश में जाति नहीं है तो आप (मोदी) अपनी जाति ओबीसी क्यों बताते हो। राहुल ने दावा किया कि हमारी सरकार दो तरह के शहीदों का दर्जा पसंद नहीं करेगी। हमलोग इस योजना को फाड़कर कूड़ेदान में फेंक देंगे ताकि युवा सामान्य सेना की तरह देश सेवा कर सकें। हमारी सरकार बनते ही 20 लाख सरकारी नौकरियां आपके हवाले कर देंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र में हमारी सरकार बनने के बाद सबसे पहले हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। हर गांव और शहर में गरीबों की एक सूची बनाई जाएगी, जिसमें हर परिवार से एक महिला का नाम शामिल किया जाएगा। इन सभी गरीब लोगों के बैंक खाते में हमारी सरकार एक लाख रुपए भेजेगी, वो भी खटाखट-खटाखट। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने (पीएम) ने एक इंटरव्यू में कहा था कि बड़े-बड़े फैसले मैं नहीं लेता परमात्मा लेते हैं। राहुल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर ईडी उनसे अडाणी पर सवाल करेगी। साथ ही कहा कि मोदी जी आप लंबे-लंबे भाषण देना बंद कीजिए और देश को बांटने की कोशिश मत करिए। आप सबसे पहले देश और बिहार के युवाओं को ये बताइए कि आपने देश के युवाओं को कितना रोजगार दिया और कितनी नौकरियां दीं? कांग्रेस नेता ने कहा कि आपने दो करोड़ रोजगार देने की बात की थी लेकिन एक युवा को नौकरी नहीं दी। नरेंद्र मोदी कुछ भी कहें लेकिन चार जून के बाद इंडी गठबंधन की सरकार बनाने जा रही है। यह संविधान का चुनाव है। साथ ही उन्होंने जनता से इंडी गठबंधन को वोट देने की अपील की।

उत्पादक, व्यापारी, मजदूर, किसान और ग्राहक एक दूसरे के पूरक, विरोधी नहीं : नारायण भाई शाह

दौसा (हिंस)। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का दो दिवसीय प्रांतीय सम्मेलन दौसा में आयोजित हुआ। उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण भाई शाह, अध्यक्षता राष्ट्रीय आयाम प्रमुख डीपी सैनी, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुनील जैन, स्वर्ण जयंती वर्ष के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, क्षेत्रीय संगठन मंत्री भगवती प्रसाद शर्मा एवं प्रांतीय अध्यक्ष रमाकांत बम्ब रहे। सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण भाई शाह ने उत्पादक एवं उपभोक्ता के बीच के संबंधों को विस्तार से

जानकारी दी। दोनों के क्या अधिकार है, क्या-क्या उनकी समस्या है। ग्राहक पंचायत आर्थिक समरसता के आधार पर काम करता। आर्थिक क्षेत्र में काम करने वाले उत्पादक, व्यापारी, मजदूर, किसान और ग्राहकों में अंगाअंगी भाव मानता है। ये एक दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं। अनुचित व्यापार, व्यवहार की विरोधी है। विशिष्ट अतिथि डीपी सैनी ने ग्राहक पंचायत की स्थापना से लेकर आज तक की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए। सैनी ने कहा कि कार्यकर्ता को एक्टिविस्ट के रूप कार्य करना चाहिए। जहां कहीं भी कोई कमी नजर आती है तो उसे नजरअंदाज नहीं कर उस विचार करें और सम्बन्धित को शिकायत दर्ज कराई जावे। स्वर्ण जयंती वर्ष के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा ने ग्राहक पंचायत के सभी जिलों को अपना पूरा सहयोग देने की बात कही। कार्यक्रम संयोजक डॉ. ओपी गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया और जिलाध्यक्ष डॉ. ओपी बंसल ने आभार जताया। सम्मेलन में जयपुर प्रांत के सभी 18 जिलों से प्रतिनिधित्व रहा। संचालन जिला सचिव रमेश चंद्र विजय ने किया।

बच्चे का एडमिशन कराने जा रहे परिवार की हाईवे पर पलटी कार, दो की मौत

कोटा (हिंस)। बारां जिले से गुजर रहे नेशनल हाईवे 27 पर बारां से अंता के बीच एक कार रॉन्ग साइड जा रही बाइक को बचाने के चक्कर में दूसरी लेन में जाकर पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। इनके में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने पर बारां सदर थाना पुलिस पहले मौके पर पहुंची और घायलों को बारां अस्पताल में भर्ती कराया। सदर थाना अधिकारी छुट्टन लाल मीणा ने बताया कि मध्य प्रदेश के गुना जिले के फतेहगढ़ थाना इलाके के कलोरा गांव निवासी सात लोग एक कार में सवार होकर कोटा जा रहे थे। यहां बच्चे का कोचिंग में एडमिशन करवाना था। नेशनल हाईवे पर बटावदा के बाद बिजोरा मोड़ के नजदीक एक रांग साइड आ रही बाइक को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित हो गई और दो से तीन पलटी खाकर दूसरी लेन की तरफ जाकर पलट गई।

रियलमी के टॉप परफॉर्मर जीटी 6टी की बढ़ रही डिमांड, 28 मई को अर्ली एक्सेस अमेजन सेल

नई दिल्ली।
रियलमी जीटी सीरीज नए रियलमी जीटी 6टी के साथ चर्चाओं में बना हुआ है। पावरफुल चिपसेट, सुपर-फास्ट चार्जिंग और अपने सेगमेंट में सबसे बड़े वीसी कूलिंग सिस्टम के फीचर्स के साथ, रियलमी ने इसे टॉप परफॉर्मिंग ट्रियो करार दिया है।रियलमी ने 22 मई को ऑफिशियल डिवाइस को लॉन्च किया, जिससे अपकमिंग पहली सेल के लिए फैंस काफी एक्साइटेड है।

रियलमी ने पिछले अहमदाबाद में अपने फ्लैगशिप स्टोर पर एक स्पेशल पॉप-अप इवेंट को होस्ट किया, जिसमें डिवाइस के ऑफिशियल लॉन्च से पहले एक्सक्लूसिव फर्स्ट लुक से पर्दा हटाया गया।

600 से ज्यादा फैंस चिलचिलाती गर्मी के बावजूद स्टोर में आए, जिससे यह साबित हुआ कि जीटी 6टी का क्रेज कितना है। रियलमी ने पहले आने वाले 150 लोगों को मिस्ट्री बॉक्स दिए, जबकि पहले 10 लकी कस्टमर्स को और भी बड़े अवॉर्ड जीतने का मौका देने के लिए खास रियलमियाओ लेगो बॉक्स और स्क्रैच कार्ड मिले।

पॉप-अप इवेंट को जबरदस्त सफलता मिली, इसमें जीटी 6टी डिवाइस का पूरा स्टॉक पूरी तरह से बिक गया। यह जबरदस्त रिस्पॉन्स साफ तौर से रियलमी की लेटेस्ट ऑफर्स को लेकर लोगों के क्रेज को दिखाता है। एक्साइटमेंट को जारी रखने के लिए, रियलमी ने 28 मई से अमेजन पर जीटी 6टी के लिए अर्ली एक्सेस सेल की घोषणा की है। सेल दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक सीमित समय के लिए चलेगी, जिससे लोगों को बढ़ती डिमांड वाले डिवाइस को खरीदने का एक और मौका मिलेगा। अहमदाबाद में पॉप-अप इवेंट को मिला जबरदस्त रिस्पांस स्मार्टफोन मार्केट में क्रांति लाने की रियलमी जीटी 6टी की क्षमता का बयां करता है। जैसा कि हम अर्ली एक्सेस सेल के लिए तैयार हैं, यह कहना सही होगा कि टॉप परफॉर्मर रियलमी जीटी 6टी ने लोगों में एक्साइटमेंट को बढ़ाया है।

उम्मीद है कि रियलमी जीटी 6टी अपने एडवांस फीचर्स, मॉडर्न टेक्नोलॉजी और शानदार कीमत के साथ परफॉर्मेंस में बिल्कुल फिट होगा। इसकी उपलब्धता ने बाजार में हलचल पैदा कर दी है। जिस स्पीड से पॉप-अप इवेंट में रियलमी जीटी 6टी बिक गया, उसको ध्यान में रखते हुआ आप कैलेंडर में मार्क करना न भूलें और रियलमी से बिल्कुल नया पावर हाउस लेने के लिए अर्ली एक्सेस सेल लाइव होने पर तैयार रहें।

न्यूज ब्रीफ

मस्क की कंपनी एक्सएआई ने जुटाया 6 अरब डॉलर का फंड

नई दिल्ली। एलन मस्क की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एक्सएआई की ओर से कहा गया कि

उसने भविष्य की टेक्नोलॉजी के विकास और रिसर्च के लिए 6 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई है। मस्क की एआई कंपनी की ओर से ये जानकारी सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर दी गई। कंपनी के पोस्ट के जवाब में एलन मस्क ने लिखा कि आने वाले समय में हम कई और घोषणाएं करने वाले हैं। मस्क ने कंपनी के फंडिंग जुटाने को लेकर एक अन्य पोस्ट के जवाब में कहा कि इसका प्री-मनी वैल्यूएशन 18 अरब डॉलर था। कंपनी ने बताया कि सीरीज बी में जुटाई गई इस फंडिंग का इस्तेमाल एक्सएआई के पहले उत्पादों को बाजार में उतारने और एडवांस इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनाने में उपयोग किया जाएगा। कंपनी ने अपनी ब्लॉग पोस्ट में कहा कि एक्सएआई का पूरा ध्यान एक एडवांस एआई सिस्टम बनाने को लेकर है। सही, सक्षम और मानवता को अधिक से अधिक फायदा पहुंचाने वाला होगा। कंपनी का मिशन यूनिवर्स के सही अर्थ को जानना है। एक्स एआई की ओर से एआई चैटबॉट ग्रॉक को पेश किया गया है। इसमें वेलोर इक्विटी पार्टनर्स, वीवाई कैपिटल, आंद्रेसेन होरोविट्ज, सिकोइया कैपिटल, फिडेलिटी मैनेजमेंट, रिसर्च कंपनी, प्रिंस अलवलीद बिन तलाल और किंगडम होल्डिंग आदि ने निवेश किया हुआ है। इसके अलावा एक्सएआई ने कहा कि वह आने वाले समय में नए टेक्नोलॉजी अपडेट्स और उत्पाद पेश करेंगे।

मानव दूध का कारोबार गैरकानूनी! एफएसएसएआई ने कहा- बिक्री या प्रोसेसिंग की, तो लिया जाएगा सख्त एक्शन

नई दिल्ली। देश के फूड रेगुलेटर- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने एफएसएस एक्ट, 2006 के तहत मानव दूध की प्रोसेसिंग या बिक्री की इजाजत देने से मना कर दिया है। एफएसएसएआई ने यह भी निर्देश दिया है कि अगर कोई इंसानी दूध और उसके उत्पादों का कारोबार कर रहा है, तो उसे यह फौरन कर देना चाहिए। नहीं तो उसके खिलाफ कानूनी एक्शन लिया जाएगा। सरकारी अधिकारियों के लिए यह निर्देश फूड रेगुलेटर ने इस बारे में 24 मई को एक एडवाइजरी जारी की थी। एफएसएसएआई ने अपनी एडवाइजरी में सरकारी अधिकारियों को भी निर्देश दिया है कि वे इस मामले में सख्ती से काम लें। फूड रेगुलेटर ने कहा, राज्य और केंद्रीय लाइसेंसिंग अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि 'मां के दूध/मानव दूध' की प्रोसेसिंग या बिक्री में शामिल फूड बिजनेस ऑपरेटर को न तो रजिस्टर्ड करें, न ही उसे लाइसेंस दें। नवजात शिशुओं को दिया जाए दूध नेशल लेवल स्तर पर जारी गाइडलाइंस के अनुसार, अगर कोई मानवीय दूध डोनेट करता है, तो उसका इस्तेमाल कारोबार के तौर पर नहीं होना चाहिए। इसका सही इस्तेमाल यह है कि दूध को नवजात शिशुओं को दिया जाए, जिनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए मां के दूध की सख्त जरूरत होती है।

निदेशकों की नियुक्ति में विफल रहने पर तेल एवं गैस कंपनियों पर जुर्माना

नई दिल्ली। निदेशक मंडल में जरूरी संख्या में निदेशकों की नियुक्ति में विफल रहने रहने पर कई तेल एवं गैस कंपनियों पर जुर्माना लगाया गया है। इन कंपनियों पर पिछली तीन तिमाहियों में भी इसी कारण से जुर्माना लगाया गया था। किस लिए लगा है जुर्माना शेयर बाजारों ने जनवरी-मार्च तिमाही में सूचीबद्धता अनिवार्यता को पूरा नहीं करने पर इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, ओएनजीसी, ऑयल इंडिया लिमिटेड और मेंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स पर कुल मिलाकर 34 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना इन पर 31 मार्च, 2024 तक अपने निदेशक मंडल में जरूरी संख्या में स्वतंत्र निदेशकों या महिला निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के लिए लगाया गया है। हालांकि, इन कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि निदेशकों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है। अप्रैल-जून 2023 में अनुपालन न करने पर ओएनजीसी पर 3.36 लाख रुपये, आईओसी पर 5.36 लाख रुपये और गेल पर 2.71 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। एचपीसीएल और बीपीसीएल प्रत्येक को 3.6 लाख रुपये का जुर्माना देने को कहा गया, जबकि ऑयल इंडिया को 5.37 लाख रुपये का जुर्माना भुगतना पड़ा।

यूपीआई से एक दिन में कितने रुपये का कर सकते हैं ट्रांजैक्शन, इतनी है लिमिट

नई दिल्ली।
डिजिटल युग में हर दूसरा इंटरनेट यूजर यूपीआई के जरिए पेमेंट कर रहा है। फोन में ऐप के साथ पैसे ट्रांसफर करने का यह काम सेकेंड्स का हो जाता है।

आप भी सुई से लेकर हाथी तक की चीजों के लिए यूपीआई पेमेंट करते होंगे। क्या आपके जेहन में कभी सवाल आया कि आप एक दिन में कितने रुपये तक पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं

एनपीसीआई ने सेट की है यूपीआई ट्रांजेक्शन लिमिट

जी हां, यहां बताना जरूरी है कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम यूपीआई के लिए ट्रांजैक्शन की एक लिमिट सेट करता है। इस लिमिट को ध्यान में रखते हुए ही यूपीआई के जरिए पेमेंट की जा सकती है-

नॉर्मल यूपीआई ट्रांजैक्शन

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम की ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, नॉर्मल यूपीआई के लिए ट्रांजैक्शनकी लिमिट 1 लाख रुपये है। यह लिमिट पर ट्रांजैक्शन के लिए है।

स्पेसिफिक कैटेगरी के लिए लिमिट

कैपिटल मार्केट, कलेक्शन, इंश्योरेंस में यूपीआई ट्रांजैक्शन के साथ यही लिमिट बढ़कर 2 लाख रुपये हो जाती है।

आईपीओ और रिटेल डायरेक्ट स्कीम के लिए यूपीआई ट्रांजैक्शन की लिमिट 5 लाख रुपये पर ट्रांजैक्शन रखी गई है।

अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों के लिए यूपीआई लिमिट

पेमेंट वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, 8 दिसंबर 2023 से भारतीय रिजर्व बैंक ने स्पेसिफिक फिल्ड के लिए यूपीआई ट्रांजैक्शन की लिमिट बढ़ा दी है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों को की जाने वाले यूपीआई पेमेंट की लिमिट 5 लाख रुपये कर दी है। बता दें, 2023 से पहले शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों के लिए यूपीआई पेमेंट की लिमिट 1 लाख रुपये थी।

फोनपे के पिनकोड ने ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने के लिए सिंपली नामधारी के साथ की साझेदारी

बेंगलुरु। फोनपे के घरेलू स्टोर-फर्स्ट कॉमर्स ऐप पिनकोड ने घोषणा की कि उसने एक नया समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि ऑनलाइन ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए भारत के एकमात्र 100 प्रतिशत शाकाहारी ओमनी-चैनल रिटेलर सिंपली नामधारी के साथ हाथ मिलाया है।कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके जरिए बेंगलुरु निवासियों को पिनकोड ऐप पर किराने का सामान, ताजे फल और सब्जियां और अन्य प्रमुख एफएमसीजी उत्पाद आसानी से प्राप्त हो सकेंगे। पिनकोड के सीईओ विवेक लोहचेब ने कहा, नामधारी भारत में ताजे फलों और सब्जियों के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक के रूप में जाना जाता है, और अब उनके उत्पाद पिनकोड पर भी उपलब्ध हैं। पिनकोड ई-कॉमर्स बूम के साथ-साथ स्थानीय व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए काम कर रहा है। लोहचेब ने कहा, हमारे साथ साझेदारी करके, व्यापारी अपनी दुकानों को बिना किसी बाधा के डिजिटल कर सकते हैं, क्योंकि हम उन्हें ऑनलाइन मांग बढ़ाने के लिए हमारे व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाते हुए ऑनलाइन होने को सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करते हैं। उनके अनुसार, पिनकोड के दो मिलियन से अधिक रजिस्टर्ड यूजर्स हैं, अब तक 1.5 मिलियन से अधिक ऑर्डर निपटाए जा चुके हैं। सिंपली नामधारी के सीईओ गुरमुख सिंह रूपड़ा ने कहा, हमारे अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के अलावा, पिनकोड ऐप ग्राहकों को ताजे फल और सब्जियां, डेयरी उत्पाद, एफएमसीजी और अन्य पांच हजार से अधिक उत्पादों की सूची की पेशकश कर सिंपली नामधारी ऑनलाइन ऑर्डर बढ़ाने में मदद करेगा। पिनकोड प्रशिक्षण, समर्पित डैशबोर्ड और दिन-प्रतिदिन के कार्यों के लिए एक मोबाइल ऐप के माध्यम से व्यापक सहायता भी प्रदान करता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि व्यापारी अपने डिजिटल स्टोर को अपने तरीके से चला सकें। व्यापारियों के लिए कंपनी की पेशकश में मुफ्त डिलीवरी, मौसमी प्रोत्साहन और ऑर्डर पूर्ति में विश्वसनीयता शामिल है। इससे व्यापारियों को डिजिटल मार्केटप्लेस में कारोबार के लिए एक निर्बाध अवसर मिलता है।

पर्सन टू पर्सन यूपीआई ट्रांजैक्शन

पीटूपी यूपीआई ट्रांजैक्शन के लिए हर बैंक अपनी अलग शर्त रख सकता है। उदाहरण के लिए एचडीएफसी बैंक यूपीआई ट्रांजैक्शन के लिए 1 लाख रुपये लिमिट या 20 ट्रांजैक्शन की लिमिट सेट करता है। यह लिमिट 24 घंटे के लिए तय की गई है।

नियमों के मुताबिक, रोजाना 20 यूपीआई ट्रांजैक्शन किए जा सकते हैं। इसके बाद यूजर को ट्रांजैक्शन शुरू करने के लिए 24 घंटे तक इंतजार करना होगा। थर्ड-पार्टी यूपीआई ऐप के लिए केवल 10 ट्रांजैक्शन की अनुमति है।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में बजट को नया रूप दिया, बोलीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली ।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने पिछले 10 वर्षों में केंद्रीय बजट को खर्चों के रिकॉर्ड से बदलकर समान वितरण के रणनीतिक खाके में तब्दील किया है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार करदाताओं के पैसे का सर्वोत्तम संभव इस्तेमाल करना जारी रखेगी...। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अपनी बजट प्रथाओं और आंकड़ों में पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। पारदर्शी बजट वाले देशों को अक्सर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा अधिक अनुकूल रूप से देखा जाता है। इससे वैश्विक विश्वास में सुधार हो सकता है। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में लिखा, ''यह इंडियन नेशनल कांग्रेस नीत संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार की 'ऑफ-बजट' उधारी और 'ऑयल बॉन्ड' जारी करने के जरिए घाटे को छिपाने की दोहराई जाने वाली प्रथा के बिल्कुल विपरीत है, जिसने कुछ हद तक राजकोषीय बोझ को भविष्य की पीढ़ियों पर स्थानांतरित कर दिया। संप्रग के तहत बजट आंकड़ों को अनुकूल दिखाने के लिए मानक राजकोषीय प्रथाओं को नियमित रूप से बदला गया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में पुरानी बाधाओं और प्रथाओं को पीछे छोड़ते हुए केंद्रीय बजट की विश्वसनीयता में काफी सुधार देखा गया है। सीतारमण ने कहा, ''हमारी सरकार ने बजट को केवल खर्चों के रिकॉर्ड से बदलकर समान विकास के रणनीतिक खाके में बदल दिया है। हम अपने करदाताओं से एकत्र किए गए प्रत्येक रुपये का विवेकपूर्ण और सही इस्तेमाल करते हैं...सार्वजनिक वित्त की पारदर्शी तस्वीर पेश करते हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत केंद्रीय बजट की विशेषता राजकोषीय विवेक, पारदर्शिता और समावेशिता है, जो सामाजिक विकास तथा बुनियादी ढांचे में निवेश सुनिश्चित करता है।सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के जरिए 108 केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) का संचालन करती है, जिसका बजट वित्त वर्ष 2024-25 के लिए करीब 5.01 लाख करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए यह 4.76 लाख करोड़ रुपये थे।

सेवानिवृत्ति की योजना बनाते समय बढ़ती महंगाई का जरूर रखें ध्यान, भविष्य के मासिक खर्च की करें गणना

नई दिल्ली।
सेवानिवृत्ति किसी नौकरीपेशा व्यक्ति के जीवन का वह सुनहरा चरण होता है, जहां उसे पैसे कमाने के लिए काम नहीं करना पड़ता है। जिम्मेदारियां कम होती हैं, जबकि समय अधिक। यह चरण खूबसूरत और वित्तीय रूप से स्वतंत्र तभी हो सकता है, जब व्यक्ति आर्थिक रूप से सुरक्षित हो और इस परिवर्तन के लिए तैयार हो। नौकरी के बाद खुशहाल जीवन के लिए एक और महत्वपूर्ण बात का जरूर ध्यान रखना चाहिए...बढ़ती महंगाई का। लगातार बढ़ती महंगाई किराने के सामान, बिजली की लागत से लेकर किराया और मेडिकल की लागत तक, सभी वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों को प्रभावित करती है। महंगाई दर को 5.3 फीसदी मानकर गणना करें तो आज 30,000 रुपये का मासिक खर्च अगले 30 साल में बढ़कर 1.40 लाख रुपये हो जाएगा। वह भी तब, जब आप उसी जीवनशैली को अपनाए रहें। इस गणना में लाइफ स्टाइल महंगाई को जोड़ दें तो मासिक बजट और बढ़ जाएगा। चाहत और तैयारी में 3.3

करोड़ का अंतर अगर हम अभी 30,000 रुपये मासिक खर्च मान लें तो 5.3 फीसदी की महंगाई दर के हिसाब से अगले 30 साल में यह रकम बढ़कर 1.40 लाख रुपये तक पहुंच जाएगी। यानी अभी जिन जरूरतों को पूरा करने के लिए 30,000 रुपये खर्च करने पड़ते हैं, इसके लिए 30 साल बाद 1.40 लाख की जरूरत होगी। यह मानते हुए कि लाइफ एक्सपेक्टेंसी यानी जीवन प्रत्याशा 90 साल है, उसी जीवनशैली को बनाए रखने के लिए व्यक्ति को 5.1 करोड़ रुपये के सेवानिवृत्ति फंड की जरूरत होगी। ऐसे में हम जिस तरह की सेवानिवृत्ति चाहते हैं और जिसकी तैयारी कर रहे हैं, उसके बीच 3.35 करोड़ रुपये का बड़ा अंतर है।

एक साल के शिखर पर अदाणी पोर्ट्स के शेयर, इस खबर का मिला फायदा

नई दिल्ली।
अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयर शुरुआती कारोबार में करीब 3 प्रतिशत चढ़कर एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। अदाणी पोर्ट्स 24 जून को बीएसई सेसेंक्स के टॉप-30 शेयर में शामिल होगी, जिसकी वजह से इसके शेयरों जबरदस्त तेजी देखी जा ही है। यह बीएसई पर 2.93 प्रतिशत बढ़कर 1,457.25 रुपये पर पहुंच गया था।

अदाणी पोर्ट्स टॉप-30 में आईटी दिग्गज विप्रो की जगह लेगी। टॉप-30 से बाहर होने का विप्रो को नुकसान भी उठाना पड़ा। इसके शेयर 2.36 फीसदी की गिरावट के साथ 452.55 रुपये पर आ गए। अगर शुरुआती कारोबार की बात करें, तो 30-शेयर बीएसई सेंसेक्स कंपनियों में विप्रो के शेयर में सबसे ज्यादा गिरावट आई। अदाणी पोर्ट्स इस मामले में पहली कंपनी अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी की अगुआई वाले की 10 कंपनियां शेयर मार्केट में लिस्ट हैं। इनमें से अदाणी पोर्ट्स सेंसेक्स में शामिल होने वाली पहली कंपनी है। यह बदलाव 24 जून, 2024 से प्रभावित होगा। एसएंडपी डॉव जोन्स इंडेक्स और बीएसई के ज्वाइंट वेंचर एशिया इंडेक्स ने शुक्रवार को एक बयान में बताया था कि व्यापक रिव्यू के बाद यह बदलाव किया गया है। निफ्टी इंडेक्स के घटक हैं। एसएंडपी बीएसई 100, एसएंडपी बीएसई बैंकेक्स, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 50 और एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 50 में भी बदलाव की घोषणा की गई है।

अदाणी पोर्ट्स के शेयर का हाल

अदाणी पोर्ट्स के शेयरों ने पिछले 6 महीने में निवेशकों को करीब 72 फीसदी का बंपर रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले पांच साल में निवेशकों को इससे करीब 250 फीसदी का रिटर्न मिला है। इसका एक साल का हाई 1,457.05 रुपये है, जो इसने बनाया है।

केरल के आर्थिक संकट से निपटने के लिए केंद्र ने दिए 21,253 करोड़, केंद्रीय मंत्री ने सीएम से की अपील

तिरुवनंतपुरम ।
केरल इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। अब केंद्र सरकार, केरल की मदद के लिए आगे आई है। केंद्र सरकार ने आर्थिक संकट से गुजर रहे केरल के लिए 21,253 करोड़ रुपये देने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी।

केंद्र ने दी 21 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी - केंद्रीय मंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार केरल को आर्थिक संकट से निकालने के लिए आगे आई है और दिसंबर 2024 तक केरल को 21,253 करोड़ रुपये उधार देने की मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार का यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब केरल गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। आर्थिक संकट के चलते केरल सरकार कर्मचारियों की सैलरी नहीं दे पा रही है और पूर्व

कर्मचारियों को पेंशन भी नहीं मिल पा रही है।

केंद्रीय मंत्री ने लिखा- ध्यान से खर्च कीजिएगा - अपने पोस्ट में केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सीएम पी विजयन से अपील करते हुए लिखा कि मैं सीएम से अपील करता हूं कि इस फंड का इस्तेमाल सही तरीके से और बिना किसी भ्रष्टाचार के लोगों की भलाई के लिए किया जाए। केरल सरकार इस फंड से राज्य सरकार के कर्मचारियों खासकर केएसआरटीसी के कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन दें क्योंकि ये लोग बीते कई महीनों से परेशान हैं। पोस्ट में साथ ही लिखा गया कि तटीय सुरक्षा और मिनी हार्बर प्रोजेक्ट पर ध्यान दिया जाए। तटीय सुरक्षा के लिए सीपीओ की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जाए। जो विकास कार्य चल रहे हैं, उन्हें पूरा किया जाए।

हाल ही में केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने इस बात पर चिंता जताई थी कि केंद्र सरकार दक्षिणी राज्यों के फंड में कटौती कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इकट्ठा किए जाने वाले फंड में 11 गुना की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इस दौरान केरल को मिलने वाला टैक्स सिर्फ 8.8 गुना ही है, जिसका मतलब ये है कि इसमें भारी कटौती हुई है। यही वजह है कि केरल, पंजाब, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल इस मुद्दे को उठा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा फंड की कमी की वजह से ही सामाजिक योजनाओं के लिए खर्च करने में दिक्कत हो रही है। केंद्र सरकार की तरफ से फंड जारी करने में देरी हो रही है।

तिरुवनंतपुरम में जलभराव से निपटने के लिए केंद्र ने दिए 200 करोड़ रुपये - केंद्र सरकार ने शहरी राहत कार्यक्रम के तहत केरल को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम के लिए 200 करोड़ रुपये की पेशकश आवंटित किए हैं। ये रकम तिरुवनंतपुरम में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए दी गई है। दरअसल तिरुवनंतपुरम में बीते दिनों प्री-मानसून बारिश के दौरान जलभराव हुआ था। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि केरल सरकार में जल्द ही इसके लिए प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास जमा करना चाहिए। प्रस्ताव देने की अंतिम तारीख मई तक ही है।

एनएसई 250 रुपये से कम दाम वाले शेयरों के लिए लाएगा एक पैसे का टिकट साइज

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की ओर से 250 रुपये से कम वाले शेयरों का टिकट साइज एक पैसा करने का फैसला किया गया है। हाल ही में एनएसई द्वारा जारी किए गए सर्कुलर में ये जानकारी दी गई है। बता दें, मौजूदा समय में शेयर में कम से कम 5 पैसे का टिकट साइज है। टिकट साइज कम होने का सीधा फायदा निवेशकों को मिलेगा। ये बदलाव 10 जून से लागू होगा। टिकट साइज एक अंतर होता है जो कि शेयर बिक्री करने वाले और शेयर खरीदने वाले के दाम के बीच होता है। ऐसे में टिकट साइज घटने से प्राइस की बेहतर डिस्कवरी हो पाएगी और खरीदारी एवं बिक्री करने वाले दोनों को सही कीमत मिलेगी। उदाहरण के लिए अगर कोई व्यक्ति 199.98 रुपये पर शेयर बेचना चाहता है तो स्थिति में 199.98 पर नहीं, बल्कि 199.95 या 200 रुपये पर सौदा हो पाएगा। ऐसे में टिकट साइज घटने से सौदा 199.98 पर ही हो सकेगा। सर्कुलर में दी गई जानकारी के मुताबिक, टिकट साइज 5 पैसे से घटाकर एक पैसा किया जा रहा रहा है। ये टी प्लस 1 सेटलमेंट के साथ टी प्लस 0 सेटलमेंट में भी लागू होगा। एक्सचेंज की ओर से बताया गया कि टिकट साइज को आखिरी कारोबार सत्र में शेयर की कीमत के मुताबिक मासिक आधार पर रिव्यू और एडजस्ट किया जाएगा। सर्कुलर में आगे कहा गया कि 8 जुलाई से स्टॉक फ्यूचर्स में भी समान टिकट साइज सिस्टम लागू हो जाएगा। इसमें बदलाव एक्सपायरी के समय किया जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में खिलाड़ियों की कमी, कप्तान मिचेल मार्श हैं चिंतित

नई दिल्ली।
टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होना है। इस मेगा इवेंट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम खिलाड़ियों की कमी से परेशान है। बता दें कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को इवेंट से पहले अभ्यास मैच खेलने है, जिसके लिए उनके पास पूरे खिलाड़ी नहीं है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम मैचों से पहले दो अभ्यास मैच खेलने है। पहला अभ्यास मैच नामीबिया और दूसरा वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाना है। कंगारू टीम के कप्तान अभी चोट से उबर रहे हैं और वो नामीबिया के खिलाफ होने वाले मैच को मिस कर सकते हैं।

कप्तान मिचेल मार्शन ने इस इवेंट से पहले एक बड़ा बयान दिया है। मिचेल मार्श ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के वार्म-अप मैच को लेकर दिया बयान दरअसल, बातचीत करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने कहा कि हमारे पास खिलाड़ियों की कमी है, लेकिन ये प्रैक्टिस मैच है और जिन खिलाड़ियों को खेलने की जरूरत होगी वो खेलेंगे।

आईपीएल 2024 का फाइनल मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया, जिसमें ट्रेविस हेड, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क दो टीमों का हिस्सा रहे। इन तीनों के अलावा कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल आरसीबी की टीम का हिस्सा रहे, जो विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से इस हफ्ते के आखिरी में शामिल होंगे। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स के प्लेयर मार्कस स्टोइनिस नामीबिया के खिलाफ प्रैक्टिस मैच के बाद टीम से जुड़ेंगे। वहीं, रिर्जव खिलाड़ी की बात करें तो वो खिलाड़ी 5 जून को ओमान के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे। मार्श ने कहा की जो खिलाड़ी आईपीएल में रहे हैं, वे काफी क्रिकेट खेल रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

विश्व कप फुटबॉल क्वालीफिकेशन मैच में प्रशंसकों की भारी तदाद रहेगी : स्टिमक

भुवनेश्वर । भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक का मानना है कि छह जून को कुवैत के खिलाफ होने वाले विश्व कप क्वालीफिकेशन मैच में भारतीय तादद में दर्शक रहेंगे। कुवैत के खिलाफ इस मैच में जीत दर्ज कर भारत इतिहास में पहली बार विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंचने का प्रयास करेगा। इसके अलावा स्टिमक के अनुसार दूसरा कारण ये है कि लोग करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री को अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलते हुए देखना चाहेंगे। छेत्री ने अपने करियर में अब तक भारत की ओर से सबसे अधिक 94 गोल किये है। वह अपने विदाई मैच के साथ ही अपना 151 मुकाबला खेलेंगे। इस प्रकार भारत की ओर से सबसे अधिक मैच खेलने का रिकार्ड भी उनके नाम होगा। स्टिमक ने कहा, ''इस मैच के महत्व को देखते हुए जिसमें हमें पहली बार तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने के लिए एक जीत की जरुरत होगी। इसके साथ ही ये सुनील छेत्री का विदाई मैच भी रहेगा। ऐसे में हमें उम्मीद रहेगी कि सॉल्ट लेक स्टेडियम दर्शकों से भरा रहेगा। '' उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि इस खेल के प्रशंसक देशर भर से कोलकाता पहुंचेंगे और हमारे खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाएंगे। '' कोच के अनुसार टीम पिछले दो सप्ताह से इस मैच के लिए अभ्यास कर रही है और अपनी कमजोरियों को भी दूर कर रही है।

अय्यर ने केकेआर की खिताबी जीत के साथ ही बनाया एक नया रिकार्ड

चेन्नई । आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की जीत से इसके कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है।

खिताबी जीत के साथ ही श्रेयस ऐसे पहले कप्तान बन गये हैं। जो 2 विभिन्न फ्रेंचाइजियों की ओर से खेलते हुए अपनी टीम को फाइनल तक लेकर गए हैं। इससे पहले साल 2020 में श्रेयस की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम फाइनल तक पहुंची थी। फाइनल मुकाबले में श्रेयस ने अपना कप्तानी कौशल भी दिखाया। उन्होंने गेंदबाजों को इस प्रकार बदला कि हर दूसरे ओवर में टीम को विकेट मिली। इससे हैदराबाद की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पाई। ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम का कोई खिलाड़ी आईपीएल फाइनल में 30 से ज्यादा रन नहीं बना सका हो। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से सबसे ज्यादा 24 रन पैट कमिंस ने बनाये हैं। यही नहीं, कोलकाता के 6 गेंदबाजों ने मैच में विकेट लिए। केकेआर की ओर से कप्तान श्रेयस बड़ी पारियां नहीं खेल पाये पर अहम अवसरों पर उन्होंने रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका दिलाई। उन्होंने 13 मैचों में 38 की औस के साथ 351 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम पर 2 अर्धशतक हैं। उनका स्ट्राइक रेट 145 था जबकि उन्होंने 16 छक्के लगाए हैं। श्रेयस बतौर कप्तान आईपीएल में दो फाइनल में पहुंचने के साथ ही मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की बराबरी पर पहुंच गए हैं। हार्दिक ने साल 2022 में गुजरात टाइटंस को अपनी कप्तानी में जीत दिलायी थी जबकि 2023 सत्र में उनकी टीम फाइनल में पहुंची थी पर उसे चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

दीपा करमाकर ने रचा इतिहास, एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय जिमनास्ट बनीं

नई दिल्ली । ओलंपियन भारतीय जिमनास्ट दीपा करमाकर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। रियो ओलंपिक 2016 में शामिल हो चुकीं दीपा ने महिला वॉल्ट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। यह पहली बार है जब किसी भारतीय जिमनास्ट ने इस चैंपियन में पीला तमगा हासिल किया है। 30 वर्षीय दीपा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन वॉल्ट फाइनल में 13.566 का औसत स्कोर बनाया। उत्तर कोरिया की किम सोन हयांग (13.466) और जो क्योंग ब्योल (12.966) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। निलंबन के कारण पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर हैं दीपा रियो ओलंपिक 2016 में वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रही दीपा ने 2015 चरण में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। आशीष कुमार ने 2015 एशियाई चैंपियनशिप में व्यक्तिगत फ्लोर एक्सरसाइज में कांस्य पदक जीता था। प्रणति नायक ने भी 2019 और 2022 चरण में वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया था। डोपिंग उल्लंघन के कारण 21 महीने के निलंबन के बाद पिछले साल वापसी करने वाली दीपा आगामी पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर हैं।

एम्बाप्पे के विदाई मैच में पीएसजी ने जीता फ्रेंच कप, फाइनल में लियोन को 2-1 से परास्त किया

पेरिस।
पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपने स्टार फुटबालर किलियन एम्बाप्पे के विदाई मैच में लियोन पर 2-1 से जीत दर्ज कर फ्रेंच कप पर कब्जा जमा लिया। पीएसजी की जीत में एम्बाप्पे ने कोई गोल नहीं किया, लेकिन क्लब के साथ सात वर्षों के उनके शानदार सफर को ध्यान में रखते हुए फाइनल के बाद साथी खिलाडियों ने उन्हें हवा में उछालकर जश्न मनाया। एम्बाप्पे ने पीएसजी के लिए 308 मैच खेले, जिसमें उन्होंने रिकॉर्ड 256 गोल किए। एम्बाप्पे के अगले सत्र में स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड के साथ जुडने् की संभावना है। पीएसजी के लिए दोनों गोल पहले हाफ में ओस्मान डेंबेले (22) और फेबियन रुइज (34) ने किए। लियोन के लिए एकमात्र गोल जैक ओब्रायन (55) ने किया।

लेवरकुसेन ने जीता जर्मन कप - यूरोपा लीग के फाइनल में अटलांटा के हाथों 0-3 की हार के बाद बायर लेवरकुसेन ने घर में अपराजेय रहने का रिकॉर्ड कायम रखा। उसने जर्मन कप के फाइनल में काइसरस्लॉटर्न को 1-0 से पराजित कर खिताब जीता। कुछ दिन पूर्व पहली बार बुंडेसलीगा जीतने वाले बायर का यह इस सत्र में दूसरा खिताब है। कोच जाबी अलोंसो की अगुवाई में खेलने वाले बायर के लिए ग्रानिट जाका ने 16वें मिनट में गोल किया। इस सत्र में बायर ने घर में एक भी मैच नहीं हारा। उसने घर और यूरोप के सभी कंपटीशनों में कुल 53 मैच खेले, जिसमें उसे अटलांटा के हाथों एकमात्र हार मिली।

बार्सिलोना ने महिला चैंपियंस लीग का खिताब जीता - बिलबाओ। पुरुषों की तरह लियोन की महिलाओं को भी यूएफा महिला चैंपियंस लीग के फाइनल में बार्सिलोना के हाथों हार का सामना करना पड़ा। बार्सिलोना ने लियोन को 2-0 से हराकर पिछले चार सत्रों में तीसरी बार चैंपियंस लीग का खिताब जीता। रिकॉर्ड 50, 827 दर्शकों के सामने विश्व की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबालर चुनी गईं एइटाना बोनमाती ने दूसरे हाफ में बार्सिलोना के लिए गोल किया। स्टापेज समय में विश्व की पूर्व श्रेष्ठ फुटबालर एलेक्सिया पुटेलास ने बार्सिलोना के लिए दूसरा गोल किया।

अल अइन एशियाई चैंपियंस लीग विजेता बना - अबु धाबी। संयुक्त अरब अमीरात के क्लब अल अइन ने जापानी क्लब योकोहामा मरीनोज को 5-1 से परास्त कर एशियाई चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया। पहले चरण के फाइनल में अल अइन को 2-1 से हार मिली थी। दूसरा चरण जीतकर अल अइन ने 6-3 के औसत से मुकाबला जीता। चेल्सी, एसी मिलान के पूर्व स्ट्राइकर हरनना केस्पो की कोचिंग में खेल रही अल अइन 2003 के बाद पहली बार विजेता बना है। इस दौरान उसे दो फाइनल में हार मिली।

भारतीय महिला हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी, अर्जेंटीना से मिली हार

नई दिल्ली ।
भारतीय महिला हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन अर्जेंटीना के खिलाफ भी जारी रहा और टीम को एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम चरण में अर्जेंटीना से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम का बेल्जियम चरण में यह अंतिम मुकाबला था। इस मैच में अर्जेंटीना के लिए सेलिना डि सैंटो (पहले मिनट), मारिया कैंपॉय (39वें) और मारिया ग्रेनाटो (47वें मिनट) ने गोल किए। भारतीय महिला हॉकी टीम अब लंदन में एक जून को अपने अगले मैच में जर्मनी से भिड़ेगी।

शुरुआत से ही अर्जेंटीना ने बनाई बढ़त

अर्जेंटीना ने पहले ही मिनट में बढ़त बना ली जब डि सैंटो ने ग्रेनाटो के शॉट पर गोल दागा। अर्जेंटीना का दबदबा जारी रहा और भारत का संघर्ष जारी रहा। अर्जेंटीना को आठवें मिनट बाद पेनाल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इसमें टीम बढ़त बढ़ाने में असफल रही।

भारत ने कुछ पास देने शुरू किए और उदिता के शॉट पर लालरेमसियामी गोल करने में विफल रहीं जब अर्जेंटीनी गोलकीपर क्लारा बारबेरी ने इसे रोका। अर्जेंटीना ने दूसरे क्वार्टर में दबदबा कायम रखते हुए कई पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन बीचू देवी खारीबाम और सलीमा टेटे की सतर्क जोड़ी ने गेंद को नेट से बाहर रखने में मदद की।

पेनाल्टी कॉर्नर का फायदा नहीं उठा सकी टीम

दीपिका भारतीय टीम को मिले एक पेनाल्टी कॉर्नर का फायदा नहीं उठा सकीं। भारत को तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में पेनाल्टी कॉर्नर मिला लेकिन कोई गोल नहीं हुआ। अर्जेंटीना को 39वें मिनट में सफलता मिली, जब कैंपॉय ने सर्कल में प्रवेश कर सविता पूनिया को छकाते हुए अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।

भारत को इस क्वार्टर के आखिरी मिनट में गोल करने का मौका मिला लेकिन नवनीत कौर का प्रयास बारबेरी ने रोक दिया। अंतिम क्वार्टर शुरू होते ही अर्जेंटीना को पेनाल्टी कॉर्नर मिला और ग्रेनाटो ने अगस्टिना गोर्जेलानी की फ्लिक को गोल में डालकर अपनी बढ़त में इजाफा किया।

शाहिद अफरीदी को पाक के विश्वकप फाइनल में पहुंचने की उम्मीद

दुबई ।
पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने कहा है कि इस बार उनकी टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंच सकती है। अफरीदी के अनुसार वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले एक टूर्नामेंट में हमारे लिए हालात अनुकूल नजर आते हैं। ऐसे में हमारी टीम को इसमें जीत मिल सकती है। पाक ने इससे पहले साल 2009 में टी20 विश्व कप जीता था। इसके अलावा टीम 2007 और 2022 सत्र के फाइनल में पहुंची थी। वहीं साल 2010, 2012 और 2021 में वह अंतिम-चार चरण तक ही पहुंची थी। अफरीदी ने आईसीसी से कहा कि मुझे पता है कि टीम के लिए इस बार हालात अनुकूल हैं। हमारी तेज गेंदबाजी के साथ ही स्पिन आक्रमण अच्छा है। ऐसे में मुझे लगता है कि पाकिस्तान को फाइनल में जगह बनानी चाहिए। साथ ही कहा कि हमारे स्पिनर भी अच्छे हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ, अब्बास अफरीदी और मोहम्मद आमिर के साथ गेंदबाजी आक्रमण शुरु करेंगे।

साथ ही कहा कि विश्व की किसी भी क्रिकेट टीम की इतनी मजबूत गेंदबाजी नहीं है। हमारे सभी 4 तेज गेंदबाजों के पास बहुत कौशल है और यहां तक कि अब्बास अफरीदी जैसे बेंच पर बैठे गेंदबाजों के पास भी बेहतरीन कौशल है। अगर इतने अच्छे कौशल वाले खिलाड़ी इस विश्व कप में विश्व स्तरीय बल्लेबाजों के खिलाफ उतरेंगे तो वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे ही । उन्होंने कहा कि सभी पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी भी होगी। अफरीदी ने कहा कि केवल हमारे बल्लेबाजों की स्ट्राइक रेट कम है, वह भी विशेष रुप से 7 से 13 ओवर के बीच। मुझे उम्मीद है कि उस चरण में स्ट्राइक रेट में सुधार होगा हालांकि फिर भी पाक टीम की जीत की काफी संभावना है। उन्होंने कहा कि कप्तान बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, फखर जमा सभी अहम भूमिका निभाते हैं और विश्व कप में पाक को जीत दिलायेंगे।

उत्तराखंड के इस पहाड़ी शहर में बनेगा प्रदेश का पहला गर्ल्स स्पोर्ट्स कालेज, 184 करोड़ से होगा तैयार

हल्द्वानी ।
उत्तराखंड में 184 करोड़ रुपये की लागत से गर्ल्स स्पोर्ट्स कालेज बनाया जाएगा। पेयजल निर्माण इकाई स्पोर्ट्स ने कालेज की डीपीआर बना ली है। इसमें मुख्य रूप से बालिकाओं को एयर पिस्टल शूटिंग, तैराकी, हाकी, वालीबाल-बास्केटबाल के साथ ही अन्य इंडोर खेल में प्रशिक्षित किया जाएगा।

प्रदेश की बालिकाओं को खेल में आगे बढ़ाने के लिए सरकार चंपावत के लोहाघाट स्थित छमनिया चौड़ में उत्तराखंड का पहला गर्ल्स स्पोर्ट्स कालेज बना रही है। इसके लिए राजस्व विभाग ने 500 नाली भूमि खेल विभाग को हस्तांतरित कर दी है।

भूमि हस्तांतरण के बाद पेयजल निर्माण इकाई ने स्पोर्ट्स कालेज की डीपीआर तैयार की, जिसमें सर्दी व गर्मी दोनों मौसम में तैराकी के लिए आल वेदर स्वीमिंग पूल, निशानेबाजी के लिए शूटिंग रेंज, 300 बालिकाओं की आवासीय सुविधा के लिए 100-100 बेड के तीन छात्रावास, अंतरराष्ट्रीय मानकों का हाकी एस्ट्रोटर्फ मैदान बनेगा।

एडमिन ब्लाक, इंडोर खेल के लिए मल्टीपर्पज हाल व वालीबाल और बास्केटबाल के दो-दो कोर्ट भी बनाए जाएंगे। पेयजल निर्माण इकाई स्पोर्ट्स के सहायक अभियंता शैलेंद्र भंडारी ने बताया कि कालेज निर्माण से पहले इंजीनियरों की टीम छमनिया चौड़ जाकर मिट्टी का परीक्षण करेगी। डीपीआर को शासन में भेजी जाएगी। बजट मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू होगा।

बालिकाओं को कक्षा छह से मिलेगा प्रवेश

स्पोर्ट्स कालेज में पांचवीं पास बालिकाओं को कक्षा छह से प्रवेश दिया जाएगा। कालेज में प्रवेश पाने के लिए बालिकाओं का चयन ट्रायल होगा। इसमें अपने पसंद के खेल में हुनर दिखाकर बालिकाओं को अव्वल आना पड़ेगा। उसके बाद खेल विभाग मेरिट लिस्ट जारी करेगा। मेरिट के आधार पर ही बालिकाओं का चयन होगा। बालिकाओं को न्यूनतम दामों में विभिन्न तरह के खेलों में प्रशिक्षण देने के साथ ही कालेज में पढ़ाई कराई जाएगी। यहां बालिकाओं को संतुलित भोजन, खेल किट्स, कालेज यूनिफार्म, पाठ्य पुस्तकें, लेखन सामग्री, पुस्तकालय व चिकित्सा सहायता आदि की सुविधा भी मिलेगी।

चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका दूसरे दौर में, लुसिया को हराया

पेरिस ।
चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता जापान की टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने इटली की लुसिया ब्रोनजेटी को तीन सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई। ओसाका ने महिला सिंगल्स वर्ग में पहले दौर का मैच 6-1, 4-6, 7-5 से अपने नाम कर लिया। यह उनकी फ्रेंच ओपन में तीन साल में पहली जीत है। इस साल 15 महीने के मातृत्व अवकाश से लौटी ओसाका जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहले दौर में हार गई थीं। 26 साल ही ओसाका ने पहला सेटा एकतरफा अंदाज में 28 मिनट में ही जीत लिया था लकिन दूसरे सेट में वह 4-6 से हार गईं। इसके बाद तीसरे सेट में 7-5 से जीत दर्ज करते दूसरे दौर में पहुंच गईं। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में सोफिया केनिन और गार्सिया ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। फ्रेंच ओपन 2021 चैंपियन बारबरा क्रेसिकोवा को हालांकि विक्टोरिया गोलुबिक ने 7-6, 6-4 से हराया। यहां खिताब जीतने के बाद 24वीं वरीय बारबरा को लगातार तीन बार पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा है। वावरिंका ने मरे को हराया ब्रिटेन के एंडी मरे को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा और उन्हें स्टान वावरिंका ने लगातार सेटों में 6-4, 6-4, 6-2 से मात दी। वावरिंका की मरे के खिलाफ 23 मुकाबलों में यह 10वीं जीत है। दोनों पहली बार 2005 में भिड़े थे। फ्रेंच ओपन में 1980 से वावरिंका सिर्फ तीसरे खिलाड़ी हैं जिन्होंने यहां 39 बरस या इससे अधिक उम्र में जीत दर्ज की है। मरे 37 साल के हैं और वर्ष 2000 से दो खिलाड़ियों की मिलाकर उम्र के मामले में यह मुकाबला दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों का मुकाबला रहा। वहीं, पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मुकाबलों में रूस के छठे वरीय आंद्रे रुबलेव ने जापान के टारो डेनियल को पहले दौर में 6-2, 6-7(3), 6-3, 7-5 से हराकर अगले दौर में पहुंच बनाई। इटली के लोरेंजो सोनेगो पहले दौर में हंबर्ट को 6-4, 2-6, 6-4, 6-3 से हराकर दूसरे में पहुंचे।

शकारी 100 मीटर में चैंपियन, चेबेट का 10 हजार मीटर में विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली । गत विश्व चैंपियन अमेरिका की शकारी रिचडर्सन ने डायमंड लीग प्रीफोंटाइन क्लासिक में महिलाओं की 100 मीटर की रेस 10.83 सेकेंड के साथ जीत ली। पुरुषों में अमेरिका के क्रिस्टियन कोलमैन ने 9.95 सेकेंड में सत्र के श्रेष्ठ समय के साथ 100 मीटर की रेस जीती, जबकि केन्या की बिटराइस चेबेट ने 10 हजार मीटर में 28 मिनट 54.14 सेकेंड के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। महिलाओं की फर्राटा दौड़ में रिचर्ड्सन शुरुआती 30 मीटर में पिछड़ रही थी लेकिन उसके बाद उन्होंने रफ्तार पकड़ी। सेंट लूसिया की जूलियन एल्फ्रेड (10.93) दूसरे और ब्रिटेन की डिना एशर स्मिथ तीसरे स्थान पर रहीं। शकारी को अगले महीने पेरिस ओलंपिक के लिए अमेरिकी टीम के ट्रायल में हिस्सा लेना है। टोक्यो ओलंपिक में वह ट्रायल में पहले स्थान पर रहने के बावजूद मारिजुआना के कारण डोप टेस्ट में विफल हो गई थीं।

184 सालों में पहली बार नहाया ये कछुआ...

दुनिया का सबसे पुराने जिंदा जीव के तौर पर पहचान रखने वाले जोनाथन ने 184 सालों में पहली बार नहाया है। उसका ये स्नान तो जानकारी में है, जो पहली बार है। उसने 184 सालों से पहले कभी नहाया हो, तो उसका रिकॉर्ड नहीं। ये जोनाथन दरअसल दुनिया का सबसे पुराना जीवित जीव है। जो एक विशालकाय कछुआ है। ये कछुआ सेंट हेलेना द्वीप पर रहता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। सेंट हेलेना सरकार की तरफ वीडियो में जोनाथन को नहाते दिखाया गया है। सरकार ने इसे ऐतिहासिक पल करार देते हुए सभी सेंट हेलेना वासियों को उसे नहाते देखने के लिए आमंत्रित किया था। जोनाथन की देखरेख करने का जिम्मा संभालने वाले हॉलिंस का कहना है कि हम चाहते थे कि लोग आएं और जो लोग उससे मोहब्बत करते हैं, वो उसे महसूस करें। वो बहुत प्यारा है। हॉलिंस ने कहा कि मैं जब कुछ बोलता हूं, तो जोनाथन अलग ही आवाज में मुझे जवाब देता है। जोनाथन के साथ मेरी ट्यूनिंग बेहतरीन है। मैं हर सप्ताह उसकी जांच करता हूं और साफ सब्जियों की डाइट देता हूं। जोनाथन की देखरेख की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि वो दुनिया का सबसे उम्रदराज जीव है। मैं जोनाथन की देखरेख का जिम्मा पाकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं ।

आंखों को साफ पानी से धोते रहें

आंखों की कोशिकाओं और रेटिना को मजबूती प्रदान करने में ल्युटेन आदि तत्वों की अहम भूमिका होती है। हरी सब्जियों और फलों में यह तत्व भरपूर मात्र में पाए जाते हैं। आंखों के स्वास्थ्य के लिए हरी सब्जियों, फलों के साथ डेयरी उत्पाद भी पर्याप्त मात्र में खाएं। लक्षणों को नजरअंदाज न करें : आंखों या सिर में भारीपन और धुंधला दिखाई देना। आंखें लाल होना और उनसे पानी आना। आंखों में खुजली होना।

योग रखेगा रोग मुक्त

बदलती जीवनशैली में पेट में गैस बनना आम समस्या हो गई है। मैडीसन से राहत तो मिल जाती है पर इससे कई समस्याएं भी पैदा होती हैं। अगर नियमित योग करें तो इससे हमेशा के लिए छुटकारा मिल सकता है।

गैस बनने की वजह

खाने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और स्टार्चयुक्त पदार्थों की बहुलता। शारीरिक श्रम की कमी। रात में देर से भोजन करना और सो जाना। सलाद और रेशेदार फल-सब्जियों की कमी। मल-मूत्र, अपान वायु के वेगों को रोकना। खाने में ज्यादा नमकीन, चटपटे और तेज मिर्च-मसाले का इस्तेमाल।

पेट संबंधी रोग

कब्ज, दस्त, आंतों में सूजन, अल्सर, कोलाइटिस, पित्ताशय की पथरी आदि रोगों के कारण भी गैस बनती है।

आहार

- सुबह खाली पेट 600 एमएल पानी नींबू के साथ लें। नाश्ते में दलिया, खिचड़ी या मूंग की दाल का सूप इस्तेमाल करें। दलिया या खिचड़ी में हरी सब्जियां डालें या अंकुरित अन्न चबा-चबाकर खाएं।
- दोपहर के खाने में मोटे आटे की रोटी, छिलका युक्त दाल, हरी सब्जियां और सलाद लें। खाने के दो घंटे बाद 250 एमएल छाछ काला नमक व भुना जीरा के साथ लें।
- रात का खाना 9 बजे के आसपास लें। रोटी, हरी सब्जी लें।

लाभदायक यौगिक क्रिया

- **आसन**: पवन मुक्तासन, वज्रासन, शशांकासन, नौकासन, भुजंगासन, सुप्त वज्रासन, मत्स्यासन, मयूरासन, कटि चक्रासन।
- **बंध**: उड्डियान बंध, अग्निसार क्रिया।
- **मुद्रा**: योग मुद्रा, अपान मुद्रा, अश्विनी मुद्रा।
- **प्राणायाम**: भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम-विलोम।
- **षड्कर्म**: कुंजल, लघु शंख प्रक्षालन, बस्ति क्रिया, भोजनोपरांत दस मिनट वज्रासन में बैठना।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं। कुछ मामलों में तो यहां तक देखा गया है कि एग्रोफोबिया के मरीज कई सालों तक घर से बाहर नहीं निकले हैं।

सोशलफोबिया

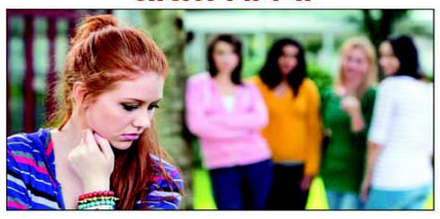

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉ. बोहरा बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

आयुर्वेद से करें एक्जिमा का उपचार

एक्जिमा एक प्रकार का चर्म रोग है। त्वचा के उत्तेजक, दीर्घकालीन विकार को एक्जिमा के नाम से जाना जाता है। इस रोग में त्वचा शुष्क हो जाती है और बार-बार खुजली करने का मन करता है क्योंकि त्वचा की ऊपरी सतह पर नमी की कमी हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा को कोई सुरक्षा नहीं रहती, और जीवाणुओं और कोशाणुओं के लिए हमला करने और त्वचा के भीतर घुसने के लिए आसान हो जाता है। एक्जिमा के गंभीर मामलों में त्वचा के ग्रसित जगहों से में पस और रक्त का स्राव भी होने लगता है। यह रोग डर्माटाईटिस के नाम से भी जाना जाता है। मुख्य रूप से यह रोग खून की खराबी के कारण होता है और चिकित्सा न कराने पर तेजी से शरीर में फैलता है। एक्जिमा का रोग अपने रोगियों को उम्र और लिंग के आधार पर नहीं चुनता। एक्जिमा के रोग से ग्रस्त रोगी अन्य विकारों के भी शिकार होते हैं। यह किसी भी उम्र के पुरुष या महिलाओं को प्रभावित कर सकता है। लेकिन कुछ आयुर्वेदिक उपचारों को अपनाकर इस समस्या के लक्षणों को कम किया जा सकता है।

खदिरारिष्ट

20 मिलीलीटर खदिरारिष्ट को 20 मिलीलीटर पानी में मिलाकर खाना खाने के बाद दिन में दो बार लेने से फायदा होता है।

गुदुच्याड़ी तेल

एक औषधियुक्त तेल जिसे ग्रसित जगह पर लगाने से लाभ मिलता है।

पञ्चनिम्बडी चूर्ण

खाना खाने के बाद आधे से एक चमच पानी के साथ लेने से भी लाभ होता है।

साफी

रक्त शुद्धी की एक बहुत ही प्रचलित औषधि, जिसके एक दो चम्मच खाली पेट पर लेने से एक्ज़मा काफी हद तक ठीक हो जाता है।

शुद्ध गुग्गूल

आयुर्वेद की बहुत ही प्रचलित जड़ी बूटी, गुग्गूल में शुद्धि और तरोताजा करने के लिए अत्यधिक ओजस्वी शक्तियों का समावेश होता है।

चन्दन

एक चम्मच कपूर के साथ एक चम्मच चन्दन की लई मिलाकर एक्जिमा से ग्रसित जगह पर लगाने से भी बहुत फायदा होता है।

आहार और खान पान

- दही और अचार जैसे खट्टी चीजों का सेवन बिलकु ल ना करें।
- करेले और नीम के फूलों का सेवन भी लाभकारी होता है।
- शुद्ध हल्दी भी एक्जिमा की चिकित्सा में लाभ प्रदान करती है। इसे एक्जिमा के चकतों पर लगाया जा सकता है और दूध में मिलाकर भी पीया जा सकता है।

क्या करें क्या ना करें

- डिटरजेंट (कपडे धोने का पाउडर) को बिलकुल भी ना छुएं, पर अगर मजबूरी से छूना भी पड़े तो सूती दस्तानों का प्रयोग करें।
- एक्जिमा से ग्रसित जगह पर तंग कपडे ना पहनें।
- सिंथेटिक कपड़ों का भी बिलकुल प्रयोग ना करे, क्योंकि इससे पसीने के निष्काशन में कठिनाई होती है।
- तरबूज जैसे फलों का नियमित रूप से सेवन करें।
- गाजर और पालक के रस का मिश्रण पीने से भी एक्जिमा के ठीक होने में लाभ मिलता है।
- पानी का भरपूर मात्रा में सेवन करें और चाहें तो संतरे का रस भी पी सकते हैं।

नीम

नीम के कोमल पत्तों का रस निकालकर उसमें थोड़ी सी मिश्री मिला लें। इसे प्रतिदिन सुबह पीने से खून की खराबी दूर होकर एक्जिमा ठीक होने लगता है।

हरड़

4 हरड़ को गौमूत्र में पीसकर लेप बना लें। यह लेप प्रतिदिन दो से तीन बार एक्जिमा पर लगाने से लाभ होता है।

रेसिपी

आटे का मालपुवा

सामग्री

1 कप गेहूं का आटा
1/2 कप शक्कर
1/2 टी-स्पून दरदरी पीसी हुई कालीमिर्च
1 टेबल-स्पून सौंफ
घी , तलने के लिए

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में शक्कर और 1 कप पानी को मिलाकर, मध्यम आँच पर, लगातार हिलाते हुए 3 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को गहरे बाउल में निकाल ले और पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। ठचडा करने के बाद, क्रश की हुई कालीमिर्च, सौंफ, गेहूं का आटा और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाकर फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन मे घी गरम करें, चम्मच भर घोल गरमा गरम घी में डालकर, तेज़ आँच पर उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। विधी क्रमांक 4 कोप दोहराकर 14 और मालपुवे बना लें। तुरंत परोसें।

खोबा रोटी

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
2 टी-स्पून घी
नमक स्वादअनुसार
गेहूं का आटा , बेलने के लिए
घी , चुपड़ने और परोसने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में डालकर, पर्याप्त मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। आटे को 4 भाग में बाँट लें। थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर, आटे के प्रत्येक भाग को 150 मिमी। व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और रोटी को दोनो तरफ से लगभग 2-3 मिनट तक पकाकर प्लेट में निकाल लें। रोटी को समान अंतर पर ऊंगली से चिमट लें। रोटी को सुबारा तवे पर डालकर, धिमी आंच पर 5-6 मिनट या दोनो तरफ से सुनहरे दाग पड़ने तक, सूती के कपड़े से सबाते हुए पका लें। 3 और रोटी बना लें। घी और अपनी पसंद की सब्जी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**